भाद्रपद कृष्ण पक्ष-10, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 115 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

09 अक्टूबर 2023 सोमवार

आज का मौसम

33 अधिकतम

20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

आचार संहिता लागू : तबादलों और घोषणाओं पर प्रतिबंध, मप्र में 64523 मतदान केंद्र

17 नवंबर को मप्र में डाले जाएंगे वोट, 3 दिसंबर को सियासी दीवाली

पांच राज्यों में विस चुनाव

चुनाव आयोग का ऐलान

नई दिल्ली/भोपाल, दोपहर मेट्रो

चुनाव आयोग ने आज मप्र समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव व तारीखों का ऐलान कर दिया। मप्र में एक ही चरण में सभी सीटों के लिये 17 नवंबर को वोट डाले जायेंगे और 3 दिसंबर को अन्य चुनावी राज्यों के साथ नतीजे आयेंगे। दीपावली के करीब पांच दिन बाद होने वाले चुनाव के नतीजे असल मायने में सियासी दल की दीपावली जैसे होंगे। चुनाव आयोग ने आज प्रेस कांफ्रेस बुलाकर मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव तारीखों का ऐलान किया। मुख्य चुनाव आयुक्त **राजीव कुमार** ने बताया कि सबसे पहले मिजोरम में 7 नवंबर को मतदान होगा। इसके बाद मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को मतदान होगा। छत्तीसगढ़ में 2 चरणों 7 नवबर और 17 नवंबर को वोटिंग होगी। जबकि 23 नवंबर को राजस्थान और 30 नवंबर को तेलंगाना में वोट डाले जाएंगे। सभी 5 राज्यों में नतीजे 3 दिसंबर को आएंगे। इस बार करीब 60 लाख नये मतदाता अपने मताधिकार का पहली बार उपयोग करेंगे।

गौरतलब है कि देश में आम चुनाव के करीब तीन महीने पहले इन पांच राज्यों के विस चुनाव काफी दिल्चस्प व कश्मशपूर्ण नजर आ रहे हैं। मध्यप्रदेश में अभी भाजपा सत्ता पर काबिज है और सत्ता में वापसी के लिये जीतोड़ प्रयास कर रही है तो कांग्रेस भी मजबूती के साथ मैदान में है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार है तथा तेलंगाना में केसीआर की पार्टी बीआरएस सत्ता में है। मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार है।

मप्र विधानसभा चुनाव 23 का कार्यक्रम

विधानसभा चुनाव की अधिसूचना	21 अक्टूबर 2023
नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन	30 अक्टूबर 2023
नामांकन वापसी का अंतिम दिन	2 नवंबर 2023
मतदान की तारीख	17 नवबर 2023
विधानसभा चुनाव के परिणाम	03 दिसंबर 2023

सबसे ज्यादा वोटर्स मप्र राजस्थान में

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया, 'मिजोरम, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मध्य प्रदेश की विधानसभा सीटों को मिलाया जाए तो कुल सीटें 679 हैं। इस समय मिजोरम में 8.52 लाख, छत्तीसगढ़ में 2.03 करोड़, मध्य प्रदेश में 5.6 करोड़, राजस्थान में 5.2 करोड़ और तेलंगाना में 3.17 करोड़ मतदाता हैं। इन सभी को मिलाया जाए तो कुल 8.2 करोड़ पुरुष और 7.8 करोड़ महिला मतदाता हैं।' 17 अक्टूबर से 30 नवंबर तक पूरे देश में किसी को भी वोटर लिस्ट से संबंधित कोई भी परिवर्धन, विलोपन और संशोधन कराना है तो यह किया जाएगा।

मप्र सरकार ने आनन फानन निपटाए काम

चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही आचार संहिता भी प्रभावशील हो गई है। इस ऐलान की आहट कल शाम से होने लगी थी। आज भी अफसर काम में जुटे रहे,पुरानी फाइलो व सरकार की घोषणाओं को खंगाला जाता रहा। इस बीच रिटायर्ड आईएएस अफसर अशोक शाह को वाणिज्यिक कर अपीलीय बोर्ड के अध्यक्ष का जिम्मा देने का फैसला हुआ। लेकिन सूचना आयुक्त तय करने के लिये आहूत बैठक सरकार को निरस्त करना पड़ी। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने इस पर कल ही आपत्ति जता दी थी। चर्चा थी कि एक सेवानिवृत आइएएस और एक मीडियाकर्मी को आचार संहिता से ठीक पहले सूचना आयुक्त पद पर नियुक्त करने का फैसला होना था। अब आयोग में सिर्फ एक आयुक्त व मुख्य आयुक्त ही बचे हैं, जबकि आधा दर्जन पद खाली हैं।

खड़गे बोले- बीजेपी की विदाई का उद्घोष

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 5 राज्यों के चुनावों की घोषणा के साथ भाजपा और उसके साथियों की विदाई का भी उद्घोष हो गया है. छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में कांग्रेस पार्टी मजबूती से जनता के पास जाएगी. जन-कल्याण, सामाजिक न्याय और प्रगतिशील विकास ही कांग्रेस पार्टी की गारन्टी है।

बाकी राज्यों की मतदान तिथि

राजस्थान में 23 नवंबर
छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवंबर
तेलंगाना में 30 नवंबर
मिजोरम में 7 नवंबर
3 दिसंबर को आएगा नतीजा

1.77 लाख मतदान केंद्र बनेंगे

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों में आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के लिए 679 विधानसभा क्षेत्रों में 1.77 लाख मतदान केंद्र स्थापित करने की जानकारी दी है। 17,734 मॉडल मतदान केंद्र होंगे, 621 मतदान केंद्रों का प्रबंधन P W D कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा, और 8,192 केंद्रों पर महिलाएं कमान संभालेंगी।

इस्तीफा मंजूर कराने भोपाल आईं डिप्टी कलेक्टर

प्रदर्शन कर रहीं निशा बांगरे के कपड़े फटे, प्रकरण दर्ज

भोपाल। डिप्टी कलेक्टर निशा बांगरे के आज भोपाल में प्रदर्शन के दौरान कपड़े फट गए। बाबा साहब की फोटो को भी नुकसान हुआ। निशा आमला (बैतूल) से पदयात्रा करते हुए भोपाल पहुंचीं। अवकाश नहीं मिलने पर वह तीन महीने पहले अपने पद से इस्तीफा दे चुकी हैं, लेकिन शासन ने उनका इस्तीफा मंजूर नहीं किया है। लवकुशनगर (छतरपुर) में एसडीएम रहीं निशा ने भोपाल के बोर्ड ऑफिस चौराहे पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा, भोपाल कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोनू सक्सेना भी इस प्रदर्शन में उनके साथ शामिल हुए। पुलिस ने दोनों को भी हिरासत में लिया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोनू सक्सेना ने पुलिस पर निशा बांगरे के कपड़े फाड़ने का आरोप लगाया है। इस दौरान अंबेडकर की फोटो भी फट गई। डिप्टी कलेक्टर ने 28 सितंबर को अपनी न्यायिक पदयात्रा की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा, मैं 12 दिन से सड़क पर हूं। आंख से आंख मिलाकर बताएं कि इस बेटी के साथ अन्याय क्यों कर रहे हैं।

अमेरिका ने इजराइल की मदद को भेजे फाइटर जेट

नई दिल्ली , एजेंसी।

इजरायल और हमास आतंकियों के बीच भीषण जंग छिड़ी हुई है. दोनों ओर से हमले जारी हैं तथा दो हजार से ज्यादा मौत हो चुकी हैं। इजरायल ने हमास आतंकियों के कई ठिकानों को तबाह कर दिया है। वहीं अमेरिका ने हमास के खिलाफ जंग में इजरायल को समर्थन और सैन्य मदद देने का ऐलान कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिकी जहाजों और युद्धक विमानों को इजरायल के पास तैनात करने का आदेश दिया है।

इधर खबरें हैं कि इजरायली फोर्स ने हमास के नेवल कमांडर मुहम्मद अबु अली को उठा लिया है। अली की ब्रिगेड ने ही इजरायली म्यूजिक फेस्टिवल पर भयावह हमला किया था। इजरायली वायुसेना ने उस इमारत पर भी बम गिराया है जहां आतंकवादी संगठन हमास के बड़े कमांडर रहकर युद्ध का संचालन कर रहे थे। हमास के कमांडर मुहम्मद कास्ता के दफ्तर पर भी एयरफोर्स ने बम गिराया गया है। इधर अमेरिका अब फाइटर जेट स्क्वाड्रन को बढ़ावा देने के लिए एयरक्राफ्ट करियर USS Gerald R. Ford और उसके साथ आने वाले युद्धपोतों को पूर्वी भूमध्य सागर में भेज रहा है। व्हाइट हाउस ने कहा, इन हमलों में कई अमेरिकी नागरिक मारे गए हैं. ऐसे में अमेरिका ने इजरायल को समर्थन देते हुए कई बड़े कदम उठाए हैं।

हमास समर्थकों को दूर रहने की चेतावनी, अब तक दो हजार मौतें

इधर भारत में मचा हाहाकर

नई दिल्ली । राजनीतिक या सामाजिक हालातों का असर सीधा बाजार पर भी पड़ता है। अब इजराइल व हमास संघर्ष के बीच भारतीय शेयर बाजारों में उथल-पुथल है। भारत समेत दुनियाभर के बाजारों में भी अफरातफरी है। इजराइली शेयर मार्केट तो पहले से ही धराशायी है और आज भारतीय बाजार भी खुलते ही धड़ाम हो गया। बीएसई का सेंसेक्स इडेक्स करीब 500 अंक तक टूट गया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन शेयर बाजार ने गिरावट के साथ लाल निशान पर अपना कारोबार शुरू किया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में सुबह 452 की अंकों की गिरावट लेते हुए 65,525.65 के लेवल पर पहुंच गया था। मार्केट खुलने से पहले ही प्री-ओपनिंग मार्केट में सेंसेक्स 702.86 अंक की गिरावट के साथ ट्रेड करता नजर आया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस की ईवीएम को लेकर दी याचिका की खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस ने ईवीएम को और वीवीपैट मशीनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। दिल्ली कांग्रेस ने याचिका दायर की थी, जिसमें राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह प्रक्रिया बहुत विस्तृत है और राजनीतिक पार्टियों का इसमें विश्वास है। यही प्रक्रिया पूरे देश में अपनाई जाती है। उक्त याचिका को खारिज कर दिया है।

बालासोर हादसा :28 लावारिस शव का कल अंतिम संस्कार

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में ट्रिपल ट्रेन हादसे को चार महीने हो चुके हैं। इस हादसे में 297 लोगों की मौत हुई थी। जिसमें 269 शवों को उनके घरवाले ले गए। अभी 28 शव ऐसे हैं जिन्हें लेने कोई नहीं आया। अब इन लावारिस शवों के दाह संस्कार का जिम्मा भुवनेश्वर नगर निगम को सौंपा जा रहा है। मेयर सुलोचना दास ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा- शवों को अधिकारियों की मौजूदगी में निगम को सौंप दिया जाएगा। हम मंगलवार को दाह संस्कार की योजना बना रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना की जांच कर रही सीबीआई ने खुर्दा जिला कलेक्टर को लेटर लिखकर शवों को डिस्पोज ऑफ करने को कहा था। जून में हुई दुर्घटना के बाद से शव एम्स भुवनेश्वर में रखे गए थे। बीएमसी की तरफ से जारी एसओपी के मुताबिक, पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में शरद पवार गुट की अर्जी पर सुनवाई 13 अक्तूबर को

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार गुट की एक याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गई है। उसने 13 अक्तूबर की तारीख सुनवाई के लिए तय की है। बता दें, शरद पवार गुट की याचिका में अजित पवार के नेतृत्व वाले बागी विधायकों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को निर्देश देने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु स्वामी रामदेव की एक याचिका पर केंद्र और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से जवाब मांगा है।

इक बगल में चाँद, इक बगल में रोटियां जैसा चुनाव

यह कल्पना हक़ीकत के उस धरातल पर खड़ी है, जहां सिर्फ नजरों का फेर है। यह धरातल किसी को बंजर या रेगिस्तान नजर आ सकता है और किसी को नखलिस्तान। आज जब मप्र में भी चुनावों की तारीखों का ऐलान हो गया है तो सरकार व विपक्ष दल की साढे पांच करोड़ मतदाताओं को सौगातों,रेवड़ियों के जरिये कल्पनाओं के मायावी संसार की सैर कराने की तिकड़में गौरतलब हैं। अब तक मप्र में भाजपा व कांग्रेस वादा तो कुछ ऐसा ही है, कि जनता को चांद हाथ में लाकर दे दिया जाएगा। मगर फार्मूला क्या होगा, वादे कैसे घरों तक 'सॉफ्ट लैंडिंग' करेंगे, इसकी परवाह भाजपा और कांग्रेस के 'कमांड सेंटर्स' को परेशान नहीं करती। पीयूष मिश्रा की कविता है- *इक बगल में चांद होगा, इक बगल मे रोटियां,इक बगल में नींद होगी, इक बगल में लोरियां..* / यह रूमानी कल्पनाओं को जरूरतों की निर्मम सतह पर ला पटकती है।

नजरिया

आशीष दुबे

चुनाव वैसे भी आजकल मुद्दों पर फोकस करने का समय नहीं देते, वह मैनेजमेंट से लोगों को रिझाते,बहलाते और भरमाते भी हैं। मप्र में बड़े वर्ग को लगभग मुफ्त के दाम बिजली,बाकी को सस्ती या मुफ्त बिजली, सस्ता सिलेंडर, सस्ता ऋण फिर ऋण माफ, हर महीने डेढ से तीन हजार रुपये तक घर बैठे नकद मदद, पुरानी पेंशन, पट्टे, जमीन, मकान, दुकान, लगभग मुफ्त राशन भी चुनावी चांद और वादों की नींद नहीं तो क्या हैं? इससे भी कुछ कमी खटकती है तो वह जातिवाद,मंदिर-धर्म की घंटियां पूरी करती हैं। मतदाता कब याद रखे कि महंगाई कैसे कम होगी।

56 साल की परंपरा ! भारत में चुनाव के समय रेवड़ी कल्चर की शुरूआत दक्षिण भारत में 1967 में डीएमके नेता सी.एन.अन्नादुरई ने की थी, तब उन्होंने 4.50 रुपये के चावल को एक रुपये में देने का वादा किया। अन्नादुरई की जीत ने दूसरों के लिए रास्ता खोला। आंध्र में एनटी रामाराव ने 2 रुपये किलो में चावल का ऐलान किया। इसका चरम तमिलनाडु में 06 के विस चुनाव में आया, तब डीएमके ने रंगीन टीवी मुफ्त देने का तो एआईएडीएमके ने फ्री में लैपटॉप का ऐलान किया। उसने लड़की के विवाह में सोना देने का वादा भी कर डाला।

पेट्रोल,डीजल,दाल-चावल,जीरा कैसे सस्ता होगा। रोजगार कैसे बढ़ेगा? मप्र में सत्तारूढ़ भाजपा और भावी सरकार का दावा करने वाली कांग्रेस के पास कौन सा आर्थिक फंडा है कि मप्र पर सवा तीन लाख करोड़ का कर्ज और बीस हजार करोड़ का ब्याज भी 'जीरो' हो जाएगा, अरबों रुपये की नयी योजनाओं का भार वहन हो जाएगा? शायद मिडिल क्लास सूली पर चढ़ाया जाएगा। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक दलों की मुफ्त योजनाओं पर चिंता जताकर इसे अर्थव्यवस्था और नागरिकों के भविष्य के लिए खतरनाक बताते हुए रेवड़ी कल्चर पर लगाम पर जोर दिया था। क्योंकि इसका सीधा दुष्प्रभाव बड़ी परियोजनाओं पर पड़ता है। गत वर्ष आरबीआइ की रिपोर्ट में दस राज्यों की आर्थिक स्थिति डांवाडोल मानी गई। क्योंकि उनका वित्तीय कर्ज और राज्य के जीडीपी का अनुपात बहुत अधिक बड़ा पाया गया। इनमें पंजाब सबसे विकट तो राजस्थान, बिहार, झारखंड,पश्चिम बंगाल, केरल, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश,उत्तरप्रदेश व हरियाणा का नाम भी आया। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में मप्र,राजस्थान,केंद्र व चुनाव आयोग से जवाब मांगकर उम्मीद तो जगाई है। मप्र अपना तीस फीसदी आय रेवडियों में बांट रहा है। मगर पीएम की 'चिंता' से भाजपा और व आरबीआई की चिंता से कांग्रेस कितना अलग क्यों है? पीयूष मिश्रा की उस कविता की आगे की लाइन हैं जो मेहनतकश मतदाता का हाल बयां करती है - *'हम चाँद पे, रोटी की चादर डाल के सो जाएँगे और नींद से कह देंगे लोरी कल सुनाने आएँगे।'*

फोटो खिंचवाकर खानापूर्ति करने में जुटे अधिकारी से लेकर कर्मचारी

कागजी प्रयासों ने शहर को बनाया डेंगू हाटस्पॉट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कागजी प्रयासों के कारण शहर डेंगू के लिए हाटस्पाट बना हुआ है। रोज नए–नए मरीजों की पहचान हो रही है। ये वे मरीज हैं जो जांच करवा रहे हैं, बाकी के मरीजों की तो पहचान ही नहीं हो रही है जबकि इन दिनों हर दूसरे घर में बुखार के मरीज है। शहर में अब तक 400 से अधिक डेंगू मरीजों के मिलने की पुष्टि हो चुकी है तब भी हाल यह है कि अधिकारी नए सिरे से प्रयासों के नाम पर खानापूर्ति ही कर रहे हैं।

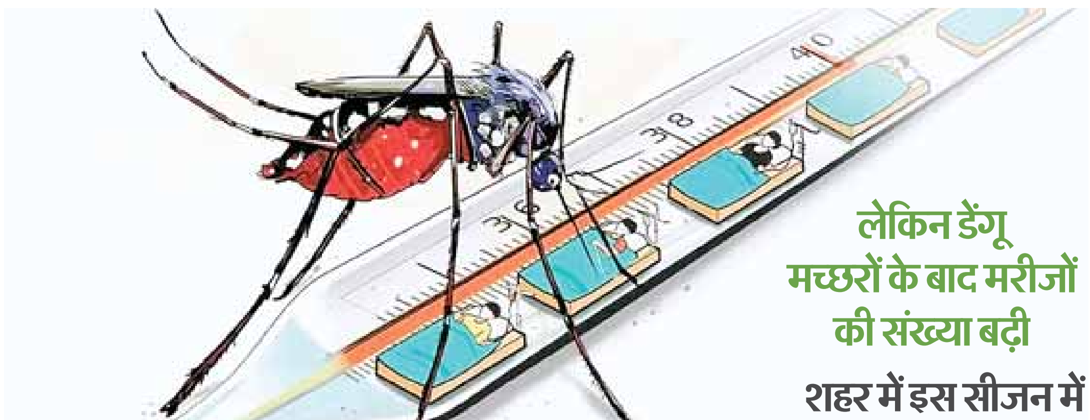

लेकिन डेंगू मच्छरों के बाद मरीजों की संख्या बढ़ी

स्वास्थ्य विभाग व निगम दोनों ही फेल

शहर में डेंगू को फैलने से रोकने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के अमले की है। हर साल की तरह इस वर्ष भी दोनों के संयुक्त तत्वावधान में टीमें गठित की हैं। ये टीमें मैदान मे तो जाती है लेकिन जमीनी स्तर पर काम नहीं करती। सिर्फ और सिर्फ फागिंग के फोटो खींचवाकर रिकार्ड में शामिल कर रही हैं। लोगों में जनजागरूकता के स्तर पर कुछ भी नहीं हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक कई बार तो टीम के लोग ही गायब हो जाते हैं। इन सबके बावजूद रिपोर्ट बराबर बन रही है।

इधर आंकड़ों की बात करें तो राजधानी में डेंगू के अब तक 400 मामले आ चुके हैं। यह आंकड़ा सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने व इलाज कराने वाले मरीजों के हैं। इनमें निजी अस्पतालों के आंकड़े जोड़ लिए जाए तो यह संख्या दोगुनी भी हो सकती है। निजी अस्पताल डेंगू के लक्षण वाले मरीजों की जांच के लिए कार्ड टेस्ट या रैपिड टेस्ट करते हैं। रिपोर्ट पाजीटिव आने पर डेंगू मानकर इलाज किया जाता है, लेकिन ऐसे मरीजों की रिपोर्ट भोपाल जिला मलेरिया विभाग को नही भेजी जा रही है।

शहर में इस सीजन में मिले डेंगू के मरीज

जनवरी	19
फरवरी	17
मार्च	26
अप्रैल	11
मई	15
जून	07
जुलाई	16
अगस्त	58
सितंबर	160
अक्टूबर	31

बुदनी-बरखेड़ा तीसरी रेल लाइन को जोड़ने का काम जारी

पातालकोट, श्रीधाम के साथ सहित 42 ट्रेनें निरस्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल व रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से होकर चलने वाली ट्रेनें निरस्त रहेगी। इनमें जनशताब्दी, इंटरसिटी, इंदौर पेंचवैली, पातालकोट, श्रीधाम व हमसफर एक्सप्रेस समेत करीब 42 ट्रेनें हैं, जो 13 से 28 अक्टूबर तक निरस्त रहेंगी। भोपाल से इटारसी के बीच बुदनी-बरखेड़ा के मध्य तीसरी रेल लाइन को पुरानी पटरियों से जोड़ने के काम के चलते रेलवे ने उक्त निर्णय लिया है।

अलग-अलग तारीखों में ट्रेनें रहेंगी निरस्त

- ट्रेन संख्या 19343 इंदौर-सिवनी पेंचवैली एक्सप्रेस 15 से 27 अक्टूबर तक
- ट्रेन 19344 छिंदवाड़ा-इंदौर पेंचवैली एक्सप्रेस 16 से 28 अक्टूबर तक
- ट्रेन 12153-54 एलटीटी-रानी कमलापति एक्सप्रेस 26 और 27 अक्टूबर को
- ट्रेन 22187-88 रानी कमलापति-अधारताल इंटरसिटी एक्सप्रेस 25 से 27 अक्टूबर तक
- ट्रेन 12061-62 रानी कमलापति-जबलपुर जनशताब्दी एक्सप्रेस 15 से 28 अक्टूबर तक
- ट्रेन 06603-04 बीना-कटनी मुड़वारा-बीना मेमू स्पेशल 15 से 27 अक्टूबर तक
- ट्रेन 02575-76 हैदराबाद डेकन नामपल्ली- गोरखपुर जंक्शन एक्सप्रेस 13 एवं 20 अक्टूबर और 15 एवं 22 अक्टूबर को।
- ट्रेन 14623-24 फिरोजपुर छावनी जंक्शन-सिवनी पातालकोट एक्सप्रेस 14 से 28 अक्टूबर तक
- ट्रेन 05303-04 गोरखपुर-महबूबनगर एक्सप्रेस 14 एवं 21 अक्टूबर को और 16 एवं 23 अक्टूबर को।
- ट्रेन 09715-16 हिसार-तिरुपति एक्सप्रेस 14 एवं 21 और 17 एवं 24 अक्टूबर को।
- ट्रेन 12719-20 हैदराबाद डेकन नामपल्ली-जयपुर एक्सप्रेस 16 से 25 और 18 से 27 अक्टूबर तक।
- ट्रेन 12923-24 डा. अम्बेडकर नगर-नागपुर एक्सप्रेस 24 और 25 अक्टूबर को
- ट्रेन 12191-92 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस 15 से 27 और 16 से 28 अक्टूबर तक।
- ट्रेन 18233-34 एक्सप्रेस 14 से 26 और 15 से 27 अक्टूबर तक।
- ट्रेन 12171-72 एलटीटी-हरिद्वार एक्स. 16 से 26 और 17 से 27 तक
- ट्रेन 18235-36 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस 14 से 25 और 16 से 27 अक्टूबर तक
- ट्रेन 12405-06 भुसावल-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस 15 से 24 और 13 से 22 अक्टूबर तक
- ट्रेन 20481-82 भगत की कोठी-तिरुच्चिरापल्ली हमसफर एक्सप्रेस 18 एवं 25 और 21 एवं 28 अक्टूबर को
- ट्रेन 00653-54 रोयापुरम-पटेल नगर एक्सप्रेस 15 से 25 और 18 से 28 अक्टूबर तक।

मांगों को लेकर रैली

भोपाल। बोर्ड आफिस पर तकनीकी शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर रैली निकाल कर प्रदर्शन किया

डागा के जन्म दिन पर हुआ अभा कवि सम्मेलन

देशभर के जाने माने कवि शायर संतनगर पहुंचे

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

पूर्व विधायक जितेन्द्र डागा के निवास पर रविवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, देश के कई नामी कवियों ने कविता पाठ किया। मौका था डागा के जन्म दिन का। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह भी पहुंचे और डागा को बधाई दी।

कवि सम्मेलन में संपत सरल, अखिलेश द्विवेदी, अज़हर इक़बाल, सर्वेश अस्थाना और डॉ. अनु सपन को हिंमाशु बवंडर,अपूर्वा चतुर्वेदी ने कविताएं प?ी। काव्य के सभी रंग कवि सम्मेलन में सुनने को मिले। प्रसिद्ध कवि संपत ने अपने अंदाज की कविताओं से खास सियासी विचारधारा वाली पार्टी और उसके नेताओं पर प्रहार किए। बेरोजगारी और महंगाई को लेकर भी केन्द्र सरकार पर निशाना साधा गया।

सम्मेलन का आयोजन समिति समाजसेवी आनंद सबधानी और राजेश शर्मा ने किया था। डागा जन्म दिन की बधाई देने आए कांग्रेस नेता पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मीडिया के सवालों को जवाब देते हुए कहा, जनता भाजपा से परेशान है। इस बार कांग्रेस की प्रदेश में सरकार बनेगी। परेशान जनता बदलाव के लिए वोट करेगी।

रात के तापमान में तीन डिग्री तक होगी बढ़ोतरी

15 के बाद आएगी गिरावट

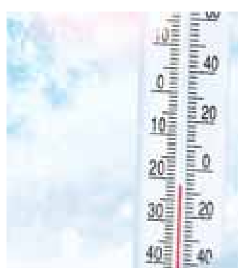

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अक्टूबर माह का पहला सप्ताह बीत चुका है। लेकिन ठंडी का असर अभी शुरू नहीं हुआ है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि लगभग एक सप्ताह तक तापमान में बढ़ोतरी होगी।

15 अक्टूबर के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर भारत में सीजन का पहला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पहुंच गया है। इसकी वजह से पहाड़ी इलाकों समेत कुछ जगह बारिश हो सकती है। मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत आसपास के इलाकों में भी इसका असर रहेगा। रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हो सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 15 अक्टूबर के बाद रात के टेम्प्रेचर में फिर गिरावट होगी।

भोपाल तक पहुंच रहे रातापानी के बाघ, रिजर्व बनाने पर ध्यान नहीं

कमलनाथ सरकार ने किया था प्रयास, भाजपा सरकार नहीं दे रही ध्यान

टाइगर रिजर्व घोषित करने की है जरूरत है

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वैसे तो मप्र भर में बाघों का कुनबा बढ़ता ही जा रहा है, यह अच्छा भी है लेकिन लंबे समय तक कुनबा बढ़ते रहना और उस कुनबे के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध नहीं कराना, यह आम लोगों की जान के लिए जोखिम बन जाएगा।

जैसे, भोपाल से सटे रातापानी वन्यजी अभयारण्य में बाघों का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। अधिकारियों से बातचीत करने पर पता चलता है कि यहां करीब 55 से अधिक बाघ है, इनमें से कुछ बाघ तो आए दिन भोपाल के आसपास तक पहुंच चुके हैं क्योंकि भोपाल के आसपास पालतू मवेशी, शहरी सुअर जैसे शिकार आसानी से उपलब्ध है तो वहीं जंगल में शिकार के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

कई बार वन्यप्राणियों को भूखे भी रहना पड़ता है, क्योंकि बाघों का घनत्व बढ़ने और शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या कम होने के कारण खाद्य जाल की समस्या बनकर सामने आ रही है। इन चुनौतियों के सामने भोपाल का नजदीकी क्षेत्र ऐसे वन्यप्राणियों के लिए काफी अच्छा बताया जाता रहा है। विशेषज्ञ कहते हैं कि खाद्य जाल को लेकर इसी तरह की स्थिति रातापानी वन्यजीव अभयारण्य में भी बन सकती है लेकिन इसके लिए टाइगर रिजर्व का दर्जा जरूरी है। जब किसी भी वन सीमा को इस दायरे में ला लिया जाता है तो स्वतः ही उसकी सुरक्षा और उसके अंदर के प्रोटोकाल बदल जाते हैं। इसका फायदा वन्यजीवों को ही होता है।

उल्लेखनीय है कि एमओईएफ की गाइडलाइन के मुताबिक किसी भी टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में मानव हस्तक्षेप शून्य होना चाहिए। बाघ की टेरेटरी 70 से 100 वर्ग किमी में रहती है। इसमें एक बाघ के साथ दो बाघिन रह सकती हैं। अमूमन इनमें संघर्ष होता है। रातापानी अभयारण्य को टाइगर रिजर्व पार्क बनाने की कवायद लंबे समय से चल रही है लेकिन अब तक यह दर्जा नहीं मिल सका है। यह 972 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है। जिसमें 60 बाघों के अलावा 100 से अधिक तेंदुए हैं। इसका दायरा सीहोर के साथ–साथ रायसेन और नर्मदापुरम के पास नर्मदा नदी तक फैला हुआ है।

मेट्रो एंकर

मिशन 2023... 'हुजूर' विधानसभा सीट का सियासी समीकरण

भाजपा से बड़ा नाम हो सकता है उम्मीदवार कांग्रेस से पूर्व भाजपाई होगा चुनावी चेहरा

रीतेश कुमार, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव में हुजूर सीट पर भाजपा-कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के नामों की चर्चा है। जहां भाजपा से मौजूदा विधायक रामेश्वर शर्मा के अलावा कई बड़े नामों के मैदान में उतरने की उम्मीदी की बात कही जा रही है। हालांकि सबसे मजबूत दावेदारी शर्मा की ही मानी जा रही है। कांग्रेस से भाजपा से विधायक रहे, जितेन्द्र डागा का नाम तय माना जा रहा है। लेकिन कांग्रेस में भी कई नाम टिकट की उम्मीद लगाए हुए हैं। हुजूर से टिकट लड़ने की आंकाक्षा रखने वाले नेताओं ने अपनी सक्रियता के साथ, शक्ति प्रदर्शन भी शुरू कर दिया है, जहां जन्म दिन पर कवि सम्मेलन करवाकर जितेन्द्र डागा ने कांग्रेसियों को इकट्ठा किया। वहीं भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा भूमिपूजन, लोकार्पण के साथ सामाजिक, धार्मिक आयोजनों में आ रहे हैं। वैसे शर्मा ने अपने कार्यकाल में संतनगर आने का कोई मौका नहीं छोड़ा है।

भाजपा से रामेश्वर के अलावा वीडी, सबनानी के नाम की चर्चा

कांग्रेस डागा, अवनीश व कई नामों की अटकलें

कांग्रेस भाजपा के इंतजार में

हुजूर सीट पर उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस जल्दबाजी के मूड में नहीं है वो भाजपा उम्मीदवार की घोषणा का इंतजार कर रही है। कहा जा रहा है, भाजपा उम्मीदवार की घोषणा होते ही कांग्रेस अपने प्रत्याशी के नाम का ऐलान कर देगी। कांग्रेस से टिकट के लिए दावेदारी कर रहे नेताओं की बात करें तो पूर्व विधायक जितेन्द्र डागा, अवनीश भार्गव व कई अन्य नाम हैं।

चौंका सकती है भाजपा: भाजपा में विधायक रामेश्वर शर्मा के अलावा इस सुरक्षित सीट पर पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा या महामंत्री भगवानदास सबनानी का नाम भी अटकलों में है। माना जा रहा है तीसरी बार भी भाजपा अपने पुराने चेहरे रामेश्वर शर्मा पर दांव लगा सकती है।

हुजूर अभेद रहा है: हुजूर विधानसभा सीट में दो अलग-अलग छोर पर बसे उपनगर संत हिरदाराम नगर और कोलार आते है। साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र विधानसभा सीट का हिस्सा हैं। यह सीट भाजपा के लिए अभेद किला रही है। इस बार क्षेत्र में 75 हजार नए वोटर्स जुड़े हैं, जो हार जीत में अहम भूमिका निभाएंगे।

बीजेपी : मुरलीधर राव संतनगर आए

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भाजपा के प्रदेशप्रभारी मुरलीधर राव रविवार को संतनगर आए। एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी के निवास पर पहुंचे राव को हिंगोरानी ने परंपरागत तरीके से स्वागत किया। राव ने भाजपा के मौजूद नेताओं से चुनाव को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर हिंगोरानी के अलावा भाजपा नेता कुलदीप खरे, प्रवीण प्रेमचंदानी, समाजसेवी वासुदेव वाधवानी, दिनेश लालवानी व अन्य लोग मौजूद थे।

मप्र के सात अलग-अलग क्षेत्रों में कांग्रेस निकाल रही यात्रा

जन आक्रोश यात्रा की रिपोर्ट के आधार पर बढ़ेगा नेताओं का कद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के कांग्रेस ने जन आक्रोश यात्रा जारी है। जन आक्रोश यात्रा की रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मांगी है। इसके आधार पर प्रदेश के नेताओं को संगठन में जगह और पद मिलेंगे।

मप्र के सात अलग-अलग क्षेत्रों से निकाली गई। प्रदेश कांग्रेस ने यात्रा प्रभारी और सह यात्रा प्रभारी से इसकी रिपोर्ट मांगी है। हर यात्रा में पूरे समय उपस्थित रहे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव इस रिपोर्ट पर अपना फीडबैक देंगे। इसके आधार पर निष्कर्ष निकाला जाएगा कि किस नेता की आगे संगठन में क्या भूमिका हो सकती है। बता दें कि प्रदेश इकाई में सचिव, महामंत्री सहित अन्य पदों पर नियुक्तियां होनी हैं।

कल होगा यात्रा का समापन

10 अक्टूबर को विंध्य क्षेत्र से निकाली गई दो यात्राओं का समापन होगा। पार्टी इसे सफल आयोजन मान रही है। दरअसल, यात्रा प्रारंभ होने के पूर्व ही प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने स्पष्ट कर दिया था कि यह पार्टी का महत्वपूर्ण आयोजन है और इसमें सबको भागीदारी करनी है। नेताओं के प्रभाव और काम को लेकर अब यात्रा प्रभारी और सह यात्रियों से रिपोर्ट मांगी गई है। इसमें निष्पक्षता रहे, इसके लिए जिला इकाई और प्रभारियों से भी जानकारी मांगी गई है।

यात्रा की इन नेताओं को दी जिम्मेदारी

प्रदेश कांग्रेस ने चुनाव अभियान के अंतर्गत डा.गोविंद सिंह, कांतिलाल भूरिया, सुरेश पचौरी, अजय सिंह, अरुण यादव, जीतू पटवारी और कमलेश्वर पटेल के नेतृत्व में जन आक्रोश यात्रा निकाली है।

तकनीकी शिक्षक आज करेंगे सीएम हाउस का घेराव

भोपाल। तकनीकी शिक्षकों द्वारा रविवार को किए जाने वाले पैदल मार्च का समय बदल गया है, अब यह पैदल मार्च सोमवार को किया जाएगा। तकनीकी शिक्षक संघ द्वारा लंबे समय से भर्ती नियम 2004 के तहत इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों में पदस्थ तकनीकी शिक्षकों के विभाग में संविलियन की मांग की जा रही है। लेकिन मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद भी संविलियन नहीं होने से यह शिक्षक आंदोलन के लिए मजबूर हैं। तकनीकी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. उदय चौरसिया ने बताया कि सोमवार सुबह 11=30 बजे स्मार्ट सिटी चैराहे से मुख्यमंत्री निवास तक पैदल मार्च करने का निर्णय लिया गया है। प्रो. चैरसिया ने बताया कि बाहर से आने वाले प्रोफेसरों की कुछ परेशानी के वजह से इसे एक दिन बाद कर दिया गया है। इस पैदल मार्च में प्रदेश के समस्त शासकीय स्वशासी इंजीनियरिंग पॉलिटेक्निक महाविद्यालय एवं राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शिक्षक शामिल होंगे। अपनी एक सूत्रीय मांग 2004 नियुक्त शिक्षकों का शासन में संविलियन किया जाए।

प्रदेश के 8 डाइट केंद्र को मिलेंगे नए भवन, हाईटेक सुविधाओं से होंगे लैस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश के प्रदेश के स्कूलों की शैक्षणिक व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के साथ ही अब शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए बनाए गए जिला शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान (डाईट) को भी सर्वसुविधायुक्त बनाने में जुट गया है।

विभाग ने 8 जिलों के डाईट केंद्र के लिए नए भवन बनाने के साथ ही इन्हे हाईटेक सुविधाओं से लैस करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने संबंधित जिलों के कलेक्टर, सह जिला मिशन संचालक को आदेश जारी करते हुए कहा है कि भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली की मॉडल डाइट निर्मित करने संबंधी योजना के अनुक्रम में प्रदेश की आठ डाइट को मॉडलज डाईट के रूप् में उन्नयन करने के लिए चिन्हित किया है। विभाग ने इन जिलों से प्रस्ताव मंगाए हैं।

यह जिले शामिल

स्कूल शिक्षा विभाग ने भोपाल, खंडवा, सीहोर, जबलपुर, मंदसौर, सागर, रीवा और ग्वालियर जिले के जिला प्रशिक्षण संस्थान के लिए प्रस्ताव तैयार कराने के निर्देश दिए हैं। इन प्रशिक्षण संस्थानों में 250 सीटर ऑडिटोरियम, स्मार्ट क्लास, कम्प्यूटर कक्षा, बाउंड्रीवॉल सहित अन्य सुविधाएं होंगी। इसको लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर मुख्यालय भेजने के निर्देश दिए हैं।

कॉलेज: 7633 नए पंजीयन के साथ 23695 ने की है च्वाइस फिलिंग

आज आठवे राउंड में यूजी-पीजी की सीटों का होगा आवंटन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के कॉलेज में सत्र 2023-24 में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे आठवें राउंड में सोमवार को यूजी-पीजी की सीटों का आवंटन किया जाएगा। इस राउंड में 7633 नए पंजीयन हुए हैं, वहीं 23695 विद्यार्थियों ने च्वाइस फिलिंग की है। जबकि 8173 ने सत्यापन कराया है। नए पंजीयन में 5060 यूजी और 2573 पीजी के लिए पंजीयन हुए है। जबकि यूजी में 19896 और पीजी में 9799 विद्यार्थियों ने च्वाइस फिलिंग की है। हालांकि इसके बाद भी प्रदेश के कॉलेजों की करीब 4 लाख सीटें खाली रहने की संभावना है। बता दें कि उच्च शिक्षा विभाग अब तक एक मुख्य राउंड और 7 सीएलसी राउंड चला चुका है, लेकिन इसके बाद भी कॉलेजों में यूजी- पीजी की करीब 4.50 लाख सीटें खाली रह गई हैं। अब तक लगभग 6 लाख प्रवेश ही हुए हैं। ऐसे में अब विभाग ने 8वां सीएलसी राउंड चलाने का निर्णय लिया है। सूबे के 1373 कॉलेजों की यूजी- पीजी की करीब 10 लाख 94 हजार सीटें हैं।

अब तक कॉलेज प्रवेश में छात्राएं आगे

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सरकारी और निजी कॉलेजों में प्रवेश के लिए चलाई जा रही ई-प्रवेश प्रक्रिया में अब तक के आंकड़ो के अनुसार छात्राएं आगे नजर आ रही हैं। यूजी में 2.31 लाख छात्राओं और करीब 2 लाख छात्रों ने प्रवेश लिया है। इसी तरह पीजी में करीब 1 लाख छात्राओं और 54 हजार छात्रों ने प्रवेश लिया है। इस साल भले ही 12वीं का परिणाम गिरा है, लेकिन छात्राओं के पास होने का प्रतिशत अधिक राह है। इसी तरह यूजी के अंतिम वर्ष की परीक्षाओं में छात्रों की तुलना में छात्राएं आगे हैं। इसलिए यूजी-पीजी में छात्राओं के अधिक प्रवेश हुए है। जानकारों की माने तो सरकारी द्वारा छात्राओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का भी असर है। ऐसे में छात्राओं का कॉलेज प्रवेश में रूझान बढ़ा है।

ट्रेड प्रमाण पत्र हासिल करने वाहन डीलरों की जेब पर बढ़ा भार

बनी 10 अलग-अलग श्रेणी, 500 रुपए से 50000 रुपए तक की फीस तय

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में डीलरों को जारी किए जाने वाले ट्रेड प्रमाण पत्रों की फीस में इजाफा किया गया है। यानि अब प्रदेश में वाहन बेचने वाले डीलरों को अब ट्रेड प्रमाण पत्र लेने ज्यादा राशि खर्च करनी होगी। विभागीय सूत्रों के अनुसार, परिवहन विभाग ने 10 अलग-अलग श्रेणियां तय करते हुए विभिन्न प्रकार के वाहन बेचने ट्रेड प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 500 रुपए से 50000 रुपए तक की फीस तय कर दी है। अभी तक ट्रेड प्रमाण पत्र के लिए मोटरसाइकिल पर नगर पालिका क्षेत्र में 6000 रुपए और नगर निगम क्षेत्र में 12000 रुपए खर्च करने होते थे इसके अलावा अन्य श्रेणियां के वाहनों पर नगर पालिका क्षेत्र में 10000 रुपए और नगर निगम क्षेत्र में 12000 रुपए का शुल्क देना होता था। अब परिवहन विभाग ने विभिन्न प्रकार के वाहनों के लिए 10 श्रेणियां निर्धारित करते हुए शुल्क भी बढ़ा दिया है।

सुविचार

'' पतंग हवा के विपरीत ऊंचाइयों को छूते हैं, हवा के साथ नहीं।''

-अज्ञात

संपादकीय

आतंक पर जीत का निर्णायक वक्त

आतंकवाद से निपटने में तकनीक और हौसले के मामले में दुनियाभर में विशेषज्ञ के तौर पर ख्यात इजराइल के लिये कड़े इम्तिहान का वक्त है। उस पर ही अब तक का सबसे बड़ा आतंकी हमला जो हुआ है। जाहिर है दुनिया के अधिकांश देश इजराइल के साथ समर्थन लिये खड़े हैं क्योंकि तमाम बड़े मुल्क इस वक्त किसी न किसी रूपे मं आतंकवाद की समस्या से जूझ रहे हैं। उधर डेढ साल से यूक्रेन-रूस युद्ध से उपजी चुनौतियों से भी दुनिया जूझ रही है, फलस्तीनी मिलिटेंट ग्रुप हमास की ओर से इजरायल पर किया गया हमला कई लिहाज से चिंताजनक है। एक तो यह कि जिस तरह के समन्वित प्रयासों के साथ और जितने बड़े पैमाने पर यह हमला हुआ है, वह हैरत में डालता है। दूसरा यह कि शनिवार को हमास की ओर से हुए इस हमले के बाद रविवार को लेबनान से एक अन्य इस्लामी मिलिटेंट ग्रुप हिजबुल्ला ने भी मोर्टार हमले कर दिये। हमलों की संवेदनशीलता को देखते हुए ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी पहली ही प्रतिक्रिया में दो बातें बिल्कुल साफ कर दीं। उन्होंने कहा कि इजरायल को अमेरिका हर तरह का मुनासिब समर्थन देने को तैयार है। दूसरे, उन्होंने चेतावनी भी दी कि इजरायल से दुश्मनी रखने वाला कोई भी पक्ष इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश न करे। जिस तरह के हालात से अभी दुनिया गुजर रही है, उसमें इस आशंका को दूर करना सबसे पहले जरूरी है कि ताजा आतंकी हमले से पैदा हुआ तनाव अन्य क्षेत्रों में न फैले। जहां तक भारत की बात है तो घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने भले ही तत्काल कोई बयान जारी नहीं किया हो, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ट्वीट सामने आ गया जिसमें आतंकी हमले को स्तब्ध करने वाला बताते हुए इस कठिन समय में इजरायल के साथ एकजुटता दिखाई गई। इसके पीछे जहां आतंकवाद पर किसी भी तरह का समझौता न करने की भारत की प्रतिबद्धता निहित है, वहीं हाल के वर्षों में इजरायल के साथ भारत की बढ़ी करीबी भी रेखांकित होती है। गौर करने की बात है कि न केवल इजरायल बल्कि अरब देशों के साथ भी भारत के अच्छे रिश्ते हैं। माना जाता है कि इस हमले का एक मकसद इजरायल और अरब देशों को करीब लाने की हालिया कोशिशों पर चोट करना भी हो सकता है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि अरब देश फलस्तीनियों के संघर्ष के प्रति अपना पारंपरिक समर्थन जताते हुए किस सीमा तक आगे बढ़ते हैं और इजरायल के साथ सहयोग की संभावनाओं को नष्ट होने से बचाने में कितनी दिलचस्पी लेते हैं। भारत के लिहाज से खास तौर पर पिछले साल बने आई 2यू2 (यानी इजरायल, भारत, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात) समूह का भविष्य भी इससे जुड़ा है। इसके अलावा त20 की नई दिल्ली शिखर बैठक में जिस इंडिया मिडल ईस्ट इकॉनमिक कॉरिडोर का एलान हुआ था, उसमें भी इजरायल शामिल है और इस परियोजना के लिहाज से भी यह सवाल अहम है कि ताजा हमले से उपजा तनाव किन देशों को और किस हद तक अपनी चपेट में लेता है। वैसे, फिलहाल भारत की एक बड़ी चिंता इजरायल में रहने वाले करीब 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा से जुड़ी है, जो युद्ध जैसे हालात में फंस गए हैं। निश्चित ही इस युध्द में इजराइल की जीत जरूरी है ताकि आतंकवाद के हौसले पस्त हों और दुनियाभर के देशों के बीच इसके खिलाफ प्रतिबध्दता में इजाफा हो।

कविता

दे रहे हैं न्यौता !

– कृष्णेन्द्र राय

होगा फिर से स्वागत ।
है आया बयान ।।
आकर के तो देखें ।
मिलना तय सम्मान ।।
दे रहे हैं न्यौता ।
कर सकते प्रवेश ।।
हैं वो अब स्वतंत्र ।
ना है कोई क्लेश ।।
फिर मिलेगा उनको ।
पहले वाला प्यार ।।
गए थे वो खुद ही ।
करें पुनः विचार ।।
ना कोई आपत्ति ।
और नहीं प्रतिबंध ।।
सोच सकते नया कुछ ।
करने को प्रारंभ ।।

आज का इतिहास

- कोरियाई हंगल वर्णमाला का पहली बार प्रकाशन 9 अक्टूबर 1446 को कोरिया में हुआ।
- वेनेजुएला के मेरिदा शहर की स्थापना 9 अक्टूबर 1558 में की गई।
- शाहजहाँ और मुमताज़ महल (नूरजहाँ) का सबसे छोटा पुत्र मुराद बख़्श का जन्म 9 अक्टूबर 1624 को हुआ।
- स्वीडन और रूस की विश्व विख्यात लड़ाई जिसे डिनाइपर के नाम से जाना जाता है वो आज ही के दिन 1708 में स्वीडन की पराजय के साथ समाप्त हुई।
- अमेरिकी संसद ने आज ही के दिन 1776 में आधिकारिक तौर पर देश का नाम यूनाइटेट कॉलोनीज से बदलकर संयुक्त राज्य अमेरिका किया।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास से जुड़े सुप्रसिद्ध साहित्यकार राजा लक्ष्मण सिंह का जन्म 9 अक्टूबर 1826 में हुआ।
- अमेरिकी आविष्कारक इसहाक सिंगर ने 9 अक्टूबर 1855 को सिलाई मशीन मोटर का पेटेंट कराया।
- अमेरिका के पेंसिलवेनिया में आज ही के दिन 1865 को तेल के लिए भूमिगत पाइपलाइन बिछाई गई थी।
- राजज्ञा के माध्यम से रोम को 9 अक्टूबर 1870 में आधिकारिक रूप से इटली में शामिल किया गया।
- भारत सरकार के गृह विभाग के कार्यवाहक सचिव विलियम एस मारिस का जन्म 9 अक्टूबर 1873 में हुआ।
- स्विट्जरलैंड के बर्न में वर्ल्ड पोस्टल यूनियन की स्थापना आज ही के दिन 1874 में की गई।
- सभी देशों के बीच पत्रों का आवागमन और जनरल पोस्टल यूनियन के गठन हेतु बर्न, स्विटजरलैंड में 22 देशों ने आज ही के दिन 1874 में एक संधि पर हस्ताक्षर किये। तभी से 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस के रूप में मनाना शुरू हुआ।

मराठा सेनापति एक बार फिर समझौतों और लड़ाई को तैयार

आलोक मेहता

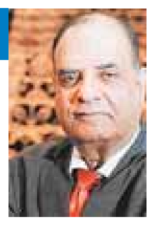

भारतीय राजनीति में करीब 60 वर्षों से तलवार घूमाते रहने वाले मराठा सेनापति शरद पवार एक बार फिर सत्ता की लड़ाई के लिए नए समझौतों के साथ मैदान में उतर रहे हैं। 83 वर्ष की उम्र में भी वह महाराष्ट्र के बल पर देश की सत्ता बदलने और बेटी सुप्रिया के साथ पसंदीदा लोगों की सरकार बनाने की बिसात बिछा रहे हैं।कांग्रेस के गाँधी परिवार से रिश्ते रखने और तोड़ने का उनका रिकॉर्ड सबसे अधिक है। इंदिरा गाँधी , राजीव गाँधी , सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी के साथ सम्बन्ध जोड़ने और तोड़ने के कई अध्याय दिलचस्प हैं। कभी सोनिया गांधी के नेतृत्व को ठुकराते हुए कांग्रेस से अलग होने वाले शरद पवार ने इस बार एक मीडिया कार्यक्रम में स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि राहुल गाँधी में देश का नेतृत्व करने की क्षमता है। भाजपा के विरुद्ध प्रतिपक्ष के नए गठबंधन में रिंग मास्टर की तरह विभिन्न प्रदेशों के परस्पर विरोधी नेताओं को भी समझा बुझाकर नए समझौतों के लिए प्रयास कर रहे हैं। इसी सन्दर्भ में वह आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी को कांग्रेस पर मेहरबानी कर लोक सभा चुनाव में कुछ सीटें देने पर सहमति बना रहे हैं। कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा कभी नहीं रही। राहुल गाँधी को अरविन्द केजरीवाल और अखिलेश यादव ही नहीं भ्रष्टाचार में जेलयाफ्ता लालू प्रसाद यादव तक के सामने समर्पण करवा रहे हैं। पराकाष्ठा यह है कि राहुल के सारे निंदा अभियान के बावजूद अडानी समूह को भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान बताकर उसका समर्थन कर रहे हैं।

सवाल यह है कि मराठा क्षत्रप स्वयं उत्तर भारत में अपनी राष्ट्रवादी नेशनल कांग्रेस या अन्य सहयोगी दलों को कितनी सीटों पर विजय दिला सकते हैं ? दूसरा शरद पवार को कबड्डी के कप्तान की तरह हमेशा दूसरे पाले में जाकर वापस भागने वाले खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है । इसलिए राहुल गांधी की कांग्रेस पार्टी के साथ कितने महीने रहने की गारंटी कोई नहीं दे सकता है । अभी तो चुनाव आयोग और अदालत तय करेगी कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद की है या उनके भतीजे अजीत पवार की । यही नहीं भाजपा से मोह भंग होने पर अजीत को अपना बना लेने के संकेत भी पवार देते रहते हैं ।

उनका एकमात्र लक्ष्य अपनी बेटी सुप्रिया सुले को अपना राजनैतिक उत्तराधिकारी बनाना है । तभी तो कुछ समय पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी या उनके सहयोगियों से सुप्रिया को केंद्रीय मंत्री बनाने की संभावना पर चर्चा की थी । इस प्रस्ताव पर अब पिता पुत्री बात नहीं करना चाहते । पवार के सबसे करीबी रहे पूर्व मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने तो अब राज बता दिया कि पिछले साल तो सभी 51 विधायक शरद पवार की स्वीकृति से भाजपा गठबंधन में जाने को तैयार थे , सबने प्रस्ताव पर दस्तख़त तक कर डाई थे । लेकिन लोक सभा चुनाव के बाद इस प्रस्ताव पर पुनः रास्ता बनाए जाने का गलियारा खुला हुआ है ।

वास्तव में शरद पवार सदा सत्ता में रहने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहे हैं । सरकार , पूँजी की शक्ति और किसी भी दल या नेताओं के साथ रिश्ते बनाने में माहिर हैं । तभी तो किसी समय अयोध्या विवाद में वह मुस्लिम पक्ष और विश्व हिंदू परिषद के नेताओं से मध्यस्थ की भूमिका निभाने के प्रयास करते रहे । कभी बाल ठाकरे के विरोधी और अब उनके बेटे उद्धव ठाकरे के सबसे करीबी हो गए । 1983 में इंदिरा गांधी के कड़े विरोध के लिए पुणे में विपक्षी नेताओं की बड़ी रैली की और तीन साल बाद राजीव गांधी की शरण में आ गए । प्रधान मंत्री बनने की संभावना न देख नरसिंह राव का दामन थाम लिया । फिर उनका विकल्प बनने के लिए जोड़ तोड़ की । बहरहाल प्रधान मंत्री न सही महाराष्ट्र में उन्होंने किसी बड़े मराठा नेता को विकल्प नहीं बनने दिया ।

मराठा सेनापति के घोड़े और हथियार पड़ोसी गोवा या गुजरात तक में अपनी पार्टी का प्रभाव बड़ा पाने में सफ़ल नहीं हुए । फिर सुदूर बंगाल या केरल में वह अपनी पार्टी या गठबंधन के सहयोगी को क्या मदद कर सकते हैं ? ममता बनर्जी , अखिलेश यादव , लालू यादव , नीतीश कुमार , फारूक अब्दुल्ला आदि शरद पवार की धन शक्ति और मुंबई के बेताज बादशाह के नाते कारपोरेट समूहों से संबंधों के कारण जुड़े रहने का लाभ देखते हैं । टाटा बिरला के बाद अंबानी अडानी के साथ समझौतों में पवार कभी नहीं हिचके । अब आगामी लोक सभा चुनाव में पवार की राजनीतिक शक्ति की अंतिम परीक्षा होगी।

'वोट अगेंस्ट कैंसर' नोटा ! अपिहाय कितना

राजीव खंडेलवाल

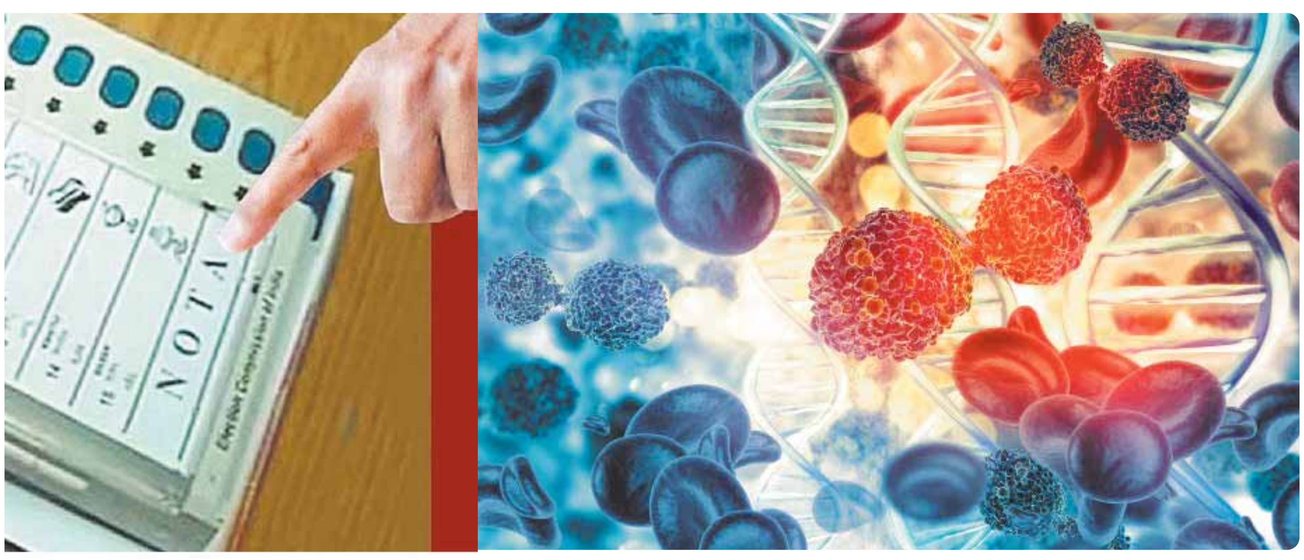

''वोट अगेंस्ट कैंसर'' को जन आंदोलन बनाकर अलख जलाने वाले हेमंत चंद्र दुबे को बैतूल शहर का बुद्धिजीवी वर्ग अच्छी तरह से जानता है। हेमंत चंद दुबे उर्फ बबलू दुबे शहर की वह शख्सियत है, अभी तक शहर के जितनी शख्सियत को मैंने देखा है, उन सबमें सबसे ज्यादा जीवटता लिये हुये जीवित व्यक्ति है। जब हम भुगतमान बबलू दुबे की गुजरी अपंगता पर नजर डालते है तो, यह जीवटता और बड़ी हो जाती है। लगता है ''हरी दूब सी है जिजीविषा, जो फिर फिर उग आती है''। एक विपरीत परिस्थितियों में जीवन को सहने वाला शारीरिक रूप से हड्डी के कैंसर से जूझता लड़ता व उस पर विजयी होकर सफल व्यक्ति के जीवन की तुलना एक सामान्य स्वस्थ व्यक्ति से करने में जमीन-आसमान का अंतर है। इसलिए मैंने कहा न कि उनकी जीवटता महान होकर महानता लिये हुए है, जो उम्र की सीमा से परे शहर के प्रत्येक नागरिक के लिए उत्प्रेरक होकर प्रेरणा स्रोत हैं।''समझदारी उम्र की मोहताज नहीं होती''।

बबलू दुबे की ''आज की कसौटी उनका बीता हुआ अतीत है''। हॉकी, कैंसर, स्वच्छता अभियान जैसे खिलाड़ी, बीमारी और जन सामान्य के महत्वपूर्ण मुद्दों को जनमानस के मन में भीतर तक उतारकर आद्वोलित करने का बीडा हेमंतचंद दुबे और उनकी ''75 दिन 75 कदम'' की टीम ने न केवल उठाया है, बल्कि अनवरत रूप से जमीन में उतारने का प्रयास बिना यह देखे कर रहे हैं कि उन्हे उक्त जन आंदोलन में कितनी सफलता मिल रही है। इसी को ''एकलव्य की एकाग्रता'' कहा जाता है। परन्तु एकलव्य के जमाने की एकाग्रता के परिणाम की तुलना वर्तमान जमाने से नहीं की जा सकती है। वर्तमान में व्यक्तिगत उद्देश्यों को लेकर एकाग्रता से प्रयास करने पर सफलता लाजमी होती है। परन्तु जब आप सामान्य जनों के हितों के लिए उनकी बुराइयों को सामाजिक रूप से मुद्दा बनाने के लिए ''एकाग्रता'' से कार्य करते हैं तब परिणाम एकलव्य समान आ जाये, यह जरूरी नहीं है। ''यह अंधा युग है, जहां हीरे और कंकर का अंतर नहीं पता''। ''जीवटता'' भी उसी को कहते है, जब आदमी परिणाम की चिंता आये बिना अपने उद्देश्य को लेकर समाज में रहने वाले इन अवरोधक तत्वों से भी संघर्ष करते हुए विचलित हुए बिना विचारों का संघर्ष करते हुए आगे बढता जाय। अर्थात ''अच्छे के लिये कोशिश तो जी जान से करो लेकिन बुरे के लिये भी तैयारी रखो''। इन पवित्र उद्देश्य को लेकर भाई बबलू दुबे द्वारा किये जा रहे अभियान के लिए साधुवाद।

आज बबलू दूबे से इस संबंध में बात हुई। चूंकि बबलू दुबे ''हड्डी कैंसर'' की जानलेवा बीमारी को भुगत चुके हैं, परन्तु वे शराबखोरी व नशाखोरी से एकदम दूर रहे हैं। अतः वे उसकी भयानकता को उस सीमा तक शायद नहीं जानते है, जिस सीमा तक कैंसर की भयावहता। अतः उनका कैंसर के खिलाफ अभियान छेड़ना स्वाभाविक ही है। मेरे मन में यह विचार आया कि बबलू दुबे एवं टीम के कैंसर के खिलाफ जन जागरण का अभियान सही होने के बावजूद बड़े जनमानस का ध्यान आर्कषित करने के लिए दूसरी और महत्वपूर्ण बात जिसे अभियान में प्रथम रूप में मुख्य मुद्दे के रूप में जोड़ा जाना चाहिए, वह है शराब और नशा करने वाले चीजे सिगरेट, बीड़ी जो कैंसर को उत्पादित (जनरेट) करने वाले तत्व हैं। अर्थात शराबखोरी व नशाखोरी के विरूद्ध अभियान चलाया जाना चाहिए। तभी सामाजिक स्तर पर लोग ज्यादा जुड़कर वह जन आंदोलन का रूप लेगा और तभी नोटा के उपयोग के अभियान को गति मिल पायेगी। ''गंगा की राह किसने खोदी है भला''? तब ''मेरा शहर स्वच्छ शहर'' मेरा शहर स्वस्थ शहर सिर्फ नारा ही नहीं रहेगा, बल्कि वह सपना भी पूरा हो पायेगा। अंततः कैंसर एक व्यक्तिगत बीमारी है, जबकि शराबखोरी या नशाखोरी व्यक्तिगत उपभोग होने के बावजूद वह व्यक्तिगत बीमारी न रहकर सामाजिक बुराई के रूप में स्थापित हो गई है। इसलिए यदि समाज को जाग्रत करना चाहते हैं, लड़ना चाहते है तो व्यक्तिगत कमियो की बजाय हमें ''सामाजिक बुराईयों'' से लडना होगा, तभी कैंसर से भी सफलतापूर्वक निपटा जा सकेगा, ऐसा मेरा मानना है।

परन्तु बड़ा प्रश्न यहां यह उत्पन्न होता है कि इसके लिए क्या ''नोटा'' का प्रयोग ही अंतिम अस्त्र जनमानस को जगाने के लिए रह गया है? मुझे लगता है, इस अंतिम हथियार अंतिम दशा में ही जब सब प्रयास असफल हो जावे, तब ही इसका उपयोग किया जाना चाहिए। ''अगला पांव उठाइये देख धरन का ठौर''। मुझे लगता है कि इस अंतिम हथियार का उपयोग करने के पूर्व जिले के जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक पार्टियों, प्रबुद्ध वर्ग से संवाद स्थापित कर बबलू दुबे को उक्त मुहिम के लिए उनके विचार और उनकी सहमति बनाकर उनको सक्रिय रूप में शामिल करने का प्रयास अवश्य करना चाहिए। यदि कोई प्रयास किया गया होगा तो उसकी जानकारी मुझे नहीं है। और यदि वे सहमत नहीं होते है, तभी यह आखिरी कदम उठाया जाना चाहिए। परन्तु प्रश्न तब फिर यह उत्पन्न होता है कि क्या वह आह्वान सफल होने पर वास्तविक रूप में परिणाम की दृष्टि से प्रभावी है?

''नोटा'' व ''वृद्धाश्रम'' की ''दशा'' व ''दिशा'' एक सी ही है। दोनों ही व्यवस्था समाज की स्वास्थ्य व परिपक्व मानसिकता में कमी के कारण उसकी पूर्ति हेतु ही बनी स्थिति के कारण है। वृद्धाश्रम की आवश्यकता परिवार द्वारा दायित्वों को न निभाने के कारण उत्पन्न होती है। अतः जब समाज और परिवार अपना दायित्व पूर्ण रूप से निभाने में सक्षम होकर निभाने लग जाएगा, तब ''वृद्धाश्रम की सोच'' ही समाप्त हो जाएगी।

इसी प्रकार परिपक्व लोकतंत्र में जनता के पास दो विकल्प होते है सत्ता पक्ष व विपक्ष। कुछ विदेशों में तो विपक्ष भी छाया मंत्रिमंडल बनाकर जनता के बीच अपनी नीति को प्रभावी रूप से ले जाते हैं। परन्तु जहां लोकतंत्र परिपक्व नहीं होता है, तब पक्ष-विपक्ष दोनों के नाकाम व असफल सिद्ध हो जाने की स्थिति में तभी मजबूरी वश ''नोटा'' का प्रावधान कर प्रयोग किया जाता है। परन्तु नोटा का प्रयोग होने के बावजूद मतदाता अपने उद्देश्यों में वस्तुतः सफल नहीं हो पाता है। क्योंकि अंततः ''शासक'' तो दोनों पक्षों में से कोई एक ही बनता है, जिसे न चुनने के लिए नोटा का उपयोग किया गया था। 'नोटा' का बहुमत होने की स्थिति में भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसे ''शासन का अधिकार'' नहीं मिल जाता है। अतः नोटा में वास्तविक परिणाम को लागू करने वाली शक्ति निहित न होने के कारण, जिस मुद्दे को लेकर नोटा का प्रयोग किया गया है, उसकी प्राप्ति न होने से नोटा का आह्वान करना, व्यावहारिक रूप से उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कहीं उचित नहीं ठहरता है। अंततः अब लोकतांत्रिक देश में असहमति व्यक्त करने के लिए लोकतंत्र को परिपक्व होने पर अर्थात जन नेताओं के परिपक्व होने पर सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए जन आवाह्न से सहमति बनाने पर प्रावधित विकल्प ''नोटा'' के उपयोग की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। अतः बबलू दुबे को अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 'नोटा' की बजाय कोई अन्य ज्यादा कारगर, परिणात्मक, परिणाम उन्मूलक तरीका अपनाने की आवश्यकता है।

अंत में मेरी नजर में बबलू दुबे को यह सुझाव है कि वे इस उक्त मुद्दे को लेकर चलाए गए अभियान को ''जनमत संग्रह'' का नाम देवें और तब आगामी होने वाले विधानसभा के चुनाव में यदि दोनों पक्षों को मिले वोट से ज्यादा वोट ''नोटा'' पर पड़े, तब ही जनता की जीत होगी, अभियान की जीत होगी। तब ऐसी स्थिति में जो कोई भी जनप्रतिनिधि चुना जायेगा तो उस पर भी सिर्फ नैतिक दबाव ही नहीं बल्कि ''जन मानस का दबाव'' भी होगा जो लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है व नोटा एक सफल अस्त्र के रूप में सिद्ध भी होगा। हां इसके पूर्व यदि कोई पार्टी इस अभियान के पक्ष में ताकत से उतरती है, तो निश्चित रूप से ''नोटा'' की बजाय उस पार्टी के पक्ष में वोट देने की अपील करनी होगी।

साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।

सहकारी समिति ने किया घपला, ऑडिट में हुआ खुलासा...

ऑडिट आपत्तियों के निराकरण को लेकर सहकारिता विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई

ऑडिटर और विभाग प्रमुख के ताल मेल से चल रहा है ऑडिट का खेल?

उपायुक्त सहकारिता को अवगत कराने के बाद भी नहीं हो रही कार्रवाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
नर्मदापुरम सहकारिता विभाग द्वारा सहकारी समितियां का ऑडिट प्रतिवर्ष किया जाता है। ऑडिट में कई आपत्ति और सुझाव का भी उल्लेख ऑडिटर द्वारा किया जाता है. ऑडिट में आई आपत्तियों के निराकरण के लिए संबंधित व्यक्ति को ना तो सहकारिता विभाग द्वारा कोई नोटिस दिए जाते हैं और न ही प्रकरण को लेकर कोई गंभीरता पूर्वक कार्रवाई की जाती है. ऑडिट रिपोर्ट का अवलोकन करके खुलासा होता है कि लाखों रुपए का हेर फेर समितियां द्वारा ऋण बाँटने प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है. खर्चों के नाम पर मनमानी रकम दर्ज की जाती है. कई खर्चों के बिल वाउचर अप्राप्त रहते हैं.

सहकारिता विभाग सिर्फ ऑडिट रिपोर्ट में इन आपत्तियों को लिखकर ही अपनी ड्यूटी से पल्ला झाड़ लेता है जबकि विभाग द्वारा इस पर गंभीरता से कार्रवाई होना चाहिए. सेवा सहकारी समिति सोहागपुर की ऑडिट रिपोर्ट को लेकर उपायुक्त शिवम मिश्रा से भी चर्चा की गई और उन्हें लिखित में भी अवगत करा दिया गया है इसके बावजूद भी उपायुक्त के द्वारा उक्त गड़बड़ी को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई. यहां उल्लेख करना होगा कि सहकारिता विभाग में दिनों दिन भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है. वरिष्ठ अधिकारी से लेकर कर्मचारी भी हर हद तक अनियमिताएं करने से नहीं चूक रहे हैं. ऑडिट रिपोर्ट में लाखों की गड़बड़ी होने के बाद भी समितियां पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? क्या इस सारे मामले में अधिकारियों को सहकारी समितियां द्वारा मैनेज किया जाता है? क्या अधिकारी गण अपनी जेब गर्म करने के लिए इन को नजरअंदाज कर देते हैं? ऐसे कई प्रश्न है जिनके उत्तर ना तो सहकारिता के अधिकारियों के पास है और न ही समिति के उन कर्मचारियों के पास है जो लाखों का भ्रष्टाचार करने के बावजूद भी अपनी सेवाओं में डटे हुए हैं।

सहकारी समिति सोहागपुर की ऑडिट रिपोर्ट को लेकर खामोश है उपायुक्त मिश्रा

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सोहागपुर के वर्ष 2018-19 के ऑडिट में जिन आपत्तियों का खुलासा किया गया है उन आपत्तियों के निराकरण को लेकर उपायुक्त सहकारिता द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई जबकि इस मामले की लिखित में उनके पास शिकायत पहुंच चुकी है. सोहागपुर सहकारी समिति के उक्त ऑडिट रिपोर्ट में लाखों रुपए की गड़बड़ी उजागर हुई है. जिसको लेकर नोटिस दिए जाने चाहिए थे तथा आवश्यक कार्रवाई होनी थी लेकिन 4 साल में भी विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किया जाना अधिकारियों की कर शैली पर सवालिया निशान है.

चुनावी प्रचार-प्रसार की होगी सतत मॉनिटरिंग

तीन पालियों में 24 घंटें रखी जाएगी विज्ञापन, पेड न्यूज और फेक न्यूज नजर

सीहोर, दोपहर मेट्रो।
विधानसभा निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में पेड न्यूज की मॉनिटरिंग के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय के कक्ष क्र. 101 में जिला स्तरीय मॉनिटरिंग सेल बनाया गया है। इस सेल में पेड न्यूज की मॉनिटरिंग के लिए तीन पालियों में 16 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। इस सेल में लगातार टेलीविजन व प्रिंट मीडिया में प्रकाशित और प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और फेक न्यूज़ तथा सभी राजनीतिक समाचारों की मॉनिटरिंग की जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह द्वारा पेड न्यूज की मॉनिटरिंग के लिए प्रथम पाली में प्रातः 7 बजे से अपराह्न 3 बजे तक वरिष्ठ व्याख्याता राजेश त्रिपाठी, सहायक शिक्षक अनीता गुप्ता, कृष्णा पाटिल, कृष्ण भगत एवं द्वितीय पाली में अपराह्न 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक शिक्षक शुभदा शर्मा, पूजा वर्मा, देवालाल मांडेकर, शिक्षक नवेद हुसैन तथा तृतीय पाली में रात्रि 11 से प्रातः 7 बजे तक शिक्षक दिनेश वर्मा, सहायक ग्रेड-3 अतीश सावनेर, अंकित महोबिया, उपयंत्री सिविल सिद्धनाथ मालवीय की ड्यूटी लगाई है। यह अधिकारी टीवी व केबल पर पेड न्यूज, फेक न्यूज एवं चुनाव आचार संहिता के उल्लघन संबंधी मॉनिटरिंग करेंगे।

बाबरी में उपस्वास्थ्य केंद्र भवन का हुआ भूमिपूजन

40 लाख की लागत से होगा भवन निर्माण, दो दर्जन से ज्यादा गांवों को मिलेगी सुविधा

सिवनीमालवा, दोपहर मेट्रो।
ग्राम पंचायत बाबरी में रविवार को उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का भूमि पूजन किया गया। समारोह पूर्वक आयोजित इस कार्यक्रम में सरपंच लीलाधर पटेल ने भूमि पूजन किया। 40 लाख की लागत से बनने वाले इस उप स्वास्थ्य केंद्र से लोगों को अब गांव में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी। बता दें कि बाबरी ग्राम पंचायत के लगभग दो दर्जन से ज्यादा गांव जुड़े हुए हैं, जिसका सीधा लाभ जनता को मिलेगा।

इस मौके पर सरपंच पटेल ने कहा कि उप स्वास्थ्य केंद्र बन जाने से आसपास के गांव के लोगों को भी यहां उपचार की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा की नर्मदापुरम के शिक्षाविद् स्व. रामचंद्र तिवारी द्वारा इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की बात हमेशा की जाती थी, उनकी मंशा के अनुसार ही लगातार प्रयास से गांव में स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत कराया गया है, जिसका अब निर्माण कार्य भी प्रारंभ हो गया है। श्री पटेल ने कहा कि स्व. रामचंद्र तिवारी हमारे परिवार के साथ-साथ पूरे यदुवंशी समाज के कुल पुरोहित थे, जिनका मार्गदर्शन हमेशा हमें मिला है, उन्हीं के प्रेरणा से आज यह भवन तैयार हो रहा है। इस भवन में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के लिए कमरों का निर्माण कराया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी ने कहा कि यहां भवन तैयार होने से गांव में स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने लगेगी। यहां प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलने से लोग परेशान नहीं होंगे। गांव में स्वास्थ्य सेवाएं नहीं होने से ग्रामवावासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। अब यहां स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने लगेंगी। इसका पूरा श्रेय सरपंच लीलाधर पटेल को जाता है, जिन्होंने अथक प्रयास करते हुए इस ग्राम पंचायत में अनेक विकास कार्य कराये हैं। इस अवसर पर उपसरपंच बिशन सिंह यदुवंशी, वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल तिवारी, सरपंच प्रतिनिधि नरहरी पटेल, हरिओम यादव, दीपक मालवीय, पूरन मालवीय, नाना मालवी, देवेंद्र पटेल, हरिप्रसाद यदुवंशी सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद थे।

कलेक्टर-एसपी ने आंवलीघाट का किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

सीहोर, दोपहर मेट्रो।
तड़ी अमावस्या पर स्नान एवं पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आंवलीघाट पहुंचते है। शनिवार 14 अक्टूबर को पड़ने वाली भूतड़ी अमावस्या पर जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर प्रवीण सिंह एवं एसपी मयंक अवस्थी ने आंवलीघाट का निरीक्षण किया। उन्होंने घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाए करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह ने घाट पर श्रद्धालुओं के सुगमता से आवागमन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाए करने के साथ ही घाट पर आने वाले वाहनों के लिए पर्याप्त स्थान में पार्किंग, यातायात नियंत्रित करने के लिए बैरीकेटिंग, प्रकाश की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति, अस्थायी शौचालय, अस्थाई चेंजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एएसपी गीतेश गर्ग, एसडीएम राधेश्याम बघेल, जनपद सीईओ देवेश सराठे, नायब तहसीलदार पंकज पवैया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सलकनपुर मंदिर परिसर तक निजी वाहन प्रतिबंधित

सीहोर, दोपहर मेट्रो. सलकनपुर में चल रहे देवीलोक के निर्माण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए 14 सितम्बर से निजी वाहनो के मंदिर परिसर तक जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए अधिकृत टैक्सी वाहन चलाए गए है, जिससे श्रद्धालु मंदिर तक आ-जा सकेंगे। निजी वाहनों से आने वाले श्रद्धालु नीचे बनाई गई पार्किंग में अपने वाहन खड़ा करेंगे और अधिकृत टैक्सी वाहन से मंदिर तक आ-जा सकेंगे।

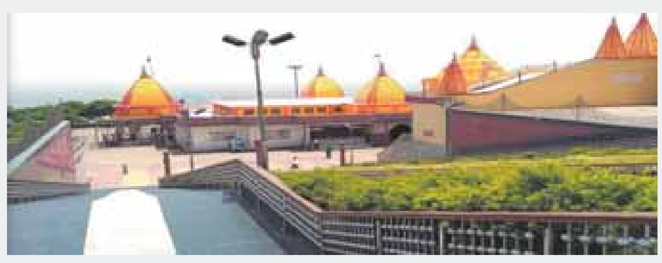

मेट्रो एंकर

आजीविका स्वाद संगम फूड ट्रक का शुभारंभ

स्वसहायता समूह के बनाए स्वादिष्ट व्यंजनों को चखेंगे नर्मदापुरम जिले के निवासी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।
रविवार को नेहरू पार्क के पास मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से महिला शक्ति संकुल स्तरीय संघ द्वारा संचालित आजीविका स्वाद संगम का शुभारंभ विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के कर कमलों से एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा एवं महिला शक्ति संकुल स्तरीय संघ की अध्यक्ष पुष्पा कटारे एवं अन्य गणमान्य जन प्रतिनिधियों की गरिमा मय उपस्थिति में किया गया, उपस्थित गणमान्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उक्त नवाचार कार्य भूरी-भूरी प्रसंसा की।

आजीविका स्वाद संगम के माध्यम से विभिन्न प्रकार के देसी एवं साउथ इंडियन व चाइनीस डिश उचित दामों पर बनाकर खिलाई जाएंगी आजीविका स्वाद संगम फूड ट्रक की विशेषता यह हे की इसका संचालन स्व सहायता समूह की महिलाओ शीला केवट, मंजू मीणा, करिश्मा बकोरिया के द्वारा किया जायेगा इसके विषय मे म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के दुर्गेश ठाकुर ने बताया शासन की मनसा अनुरूप आजीविका मिशन अंतर्गत फूड क्लस्टर की स्थापना किया जाना है इसी कड़ी में आजीविका स्वाद संगम का शुभारंभ किया गया इसके लिए महिलाओं को भारतीय होटल मैनेजमेंट संस्थान द्वारा प्रशिक्षित कराया गया है , साथ ही फूड ट्रक में बनाए जाने वाले सभी खाद्य उत्पादों में स्व सहायता समूहों द्वारा बनाए जा रहे शुद्ध और बिना मिलावट की खाद्य सामग्रियों का उपयोग किया जाएगा, शुभारम के अवसर पर आजीविका मिशन जनपद पंचायत नर्मदापुरम के विकाश खंड। प्रबंधक सहायक विकास खंड प्रबंधक राजन केरकेट्टा, कैलाश कीर, श्रीमती कविता पाठक, एव स्व सहायता समूहों की महिलाये उपस्थित रहीं,कार्यक्रम के अंत दुर्गेश ठाकुर द्वारा सबका आभार प्रकट किया गया।

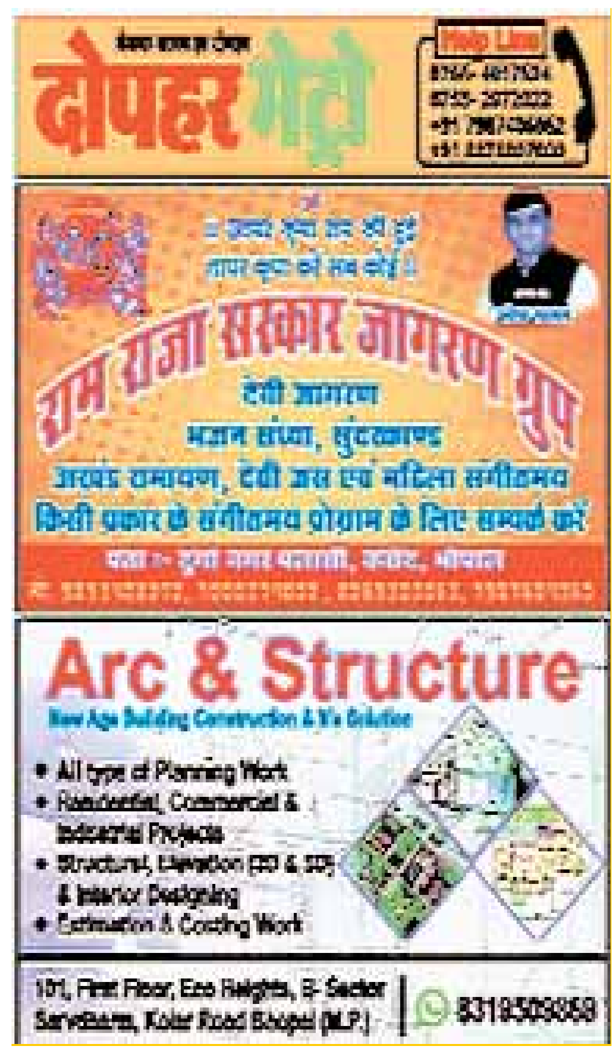

कांग्रेस को गुटबाजी पड़ेगी महंगी, टिकट देकर हो रही है खींचतान

चुनाव के लिए रणभूमि हो रही तैयार, कांग्रेस दावेदारी में 'राजा की कृपा' की चर्चा

सईद खान.सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। निर्वाचन आयोग के द्वारा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। दूसरी ओर विदिशा जिले से मुख्यमंत्री के चुनाव लड़ने की चर्चा हो रही इसके चलते भाजपा को जिले की पांच सीटों पर फायदा हो सकता है। सिरोंज, लटेरी विधानसभा की बात करें तो यहां पर केवल तीन बार ही कांग्रेस जीत पाई है। बाकी चुनावों भारतीय जनता पार्टी और उससे जुड़े संगठनों की जीत होती आ रही है वर्तमान में भी यहां सीट भाजपा के पास है। 2018 में सबसे बड़ी जीत दर्ज करके भाजपा के उमाकांत शर्मा ने सभी हैरान कर दिया था। मतदाताओं की बात करें तो वहां साइलेंट रहते किसके पक्ष में माहौल है यह बात भी सामने नहीं आ पाती है।

विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी टिकिट के लिए कई उम्मीदवारी करके वर्तमान विधायक को चुनौती देकर खुलकर इनका विरोध कर रहे हैं। वर्तमान भाजपा से प्रबल दावेदार एडवोकेट कपिल त्यागी, रमेश यादव और विधायक उमाकांत शर्मा का नाम चर्चा में है दूसरी ओर कांग्रेस की बात करें तो यहां पर दावेदारों की लंबी रेल है लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राजा की सहमति से कांग्रेस से टिकट होगा क्योंकि यह क्षेत्र उनके अन्दर आता है इसकी चर्चाएं हो रही है। इसकी वजह से दावेदार इन दिनों उनके चरणों में ही पहुंचकर अपनी अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर रहे हैं चर्चाओं में कई नाम है।

भाजपा कर रहा है दबदबा, कांग्रेस बिखर जाती है: एससी-एसटी वर्ग के वोटरों की तादाद करीब 44 फीसदी है. वहीं 39 फीसदी ओबीसी , 18 फीसदी मुस्लिम वोटर्स हैं ऐसा अनुमान है। इस सीट पर 1990 से 2013 तक बीजेपी का कब्जा रहा. 1980 में पहली बार बीजेपी ने इस सीट पर जीत हासिल की थी. 1993 से सिरोंज विधानसभा क्षेत्र से लक्ष्मीकांत शर्मा लगातार चुनाव जीत रहे थे।. इससे पहले 1990 में बीजेपी के ही भवानी सिंह रघुवंशी ने जीत हासिल की थी। 1957 से 1977 तक हिंदू महासभा, भारतीय जनसंघ, कांग्रेस और जनता पार्टी के बीच ही मुकाबला हुआ है. 1957 और 1962 का चुनाव हिंदू महासभा के मदनलाल जीते. 1966 में भारतीय जनसंघ के एम सिंह जीते. 1972 में कांग्रेस के आई खान तर्जी विधायक बने। 1977 में जनता पार्टी के शरीफ मास्टर विधायक चुने गए. 1985 के चुनाव में कांग्रेस के गोवर्धन उपाध्याय ने बीजेपी के घनश्याम दास गर्ग को हराया था. 1985 के बाद 2013 में कांग्रेस ने इस सीट पर जीत हासिल की। 2013 के चुनाव में गोवर्धन ने बीजेपी के लक्ष्मीकांत को 1584 वोटों से हराया था. वहीं 2008 के चुनाव में बीजेपी के लक्ष्मीकांत शर्मा ने जीत हासिल की थी. उन्होंने कांग्रेस के बुंदेल सिंह यादव को 9 हजार से ज्यादा वोटों से हराया, 2018 के चुनाव में जनता पार्टी के उम्मीदवार उमाकांत शर्मा ने कांग्रेस की उम्मीदवार में मसरत शाहिद को 34734 सहारा का भाजपा को सबसे बड़ी जीत दिलाई थी।

क्या चौंकाने वाल नाम आ सकता हैं कांग्रेस से – हमेशा से कांग्रेस पार्टी के द्वारा अलग ही राजनीति पर काम करते हुए टिकट दिया जाता है। इस बार भी इसी तरह की बात कांग्रेस पार्टी हो रही है इस बार फिर चौंकाने वाला नाम दे सकती है इसकी चर्चाएं भी अंदर चल रही है। आने वाले दिनों में जल्दी ही टिकट घोषित होने वाला है। वर्तमान विधायक से भी भाजपा के कुछ कार्यकर्ता नाराज चलाएं उसकी चलते कुछ नेता अंदर ही अंदर इनका भी विरोध करना है। इसका फायदा क्या कांग्रेस को मिलेगा या नहीं। वैसे भाजपा संगठन सबसे मजबूत संगठन हैं टिकट से पहले नाराजगी होती है टिकट मिलने के बाद कोई खुलकर विरोध नहीं करता है, जो रूठे होते हैं उनको मनाने का काम भी भाजपा संगठन कर लेता है।

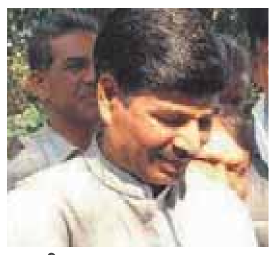

भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच में होगा मुख्य मुकाबला

विधानसभा चुनाव में इस बार कई चौंकाने वाले नाम भी सामने आ सकते हैं भाजपा से गिने चुने नाम ही चर्चा में है । कांग्रेस से दो दर्जन से अधिक दावेदार टिकट मांग रहे हैं इसके अलावा समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी ,आम आदमी पार्टी भीम, सपाक्स महानवदी पार्टी के साथ ही कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर कुछ दावेदार अंदर ही अंदर निर्दलीय चुनाव लड़ने मन बना रहे हैं। ऐसा होता है तो इसका फायदा भाजपा को मिलेगा वैसे ही बड़ी चुनौती कांग्रेस के सामने है विधानसभा 2018 में भारतीय जनता पार्टी को सीट दिने वाले उमाकांत शर्मा को भी इस बार टिकट के लिए चुनौती का सामना करना पड़ा रहा उनकी पार्टी से ही कही दावेदार टिकट मांग कर उनका विरोध कर रहे हैं । भारतीय जनता पार्टी से पहला नाम वर्तमान विधायक उमाकांत शर्मा का ही चल रहा है क्योंकि क्षेत्र की जनपद पंचायत नगर पालिका में भी इनके ही समर्थक बैठे हुए हैं संगठन में भी इनके ही टीम है मतदाताओं में पकड़ है विकास कार्यों का भूमि पूजन भी कर रहे हैं। इसके बाद पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रघुवीर सिंह रघुवंशी का नाम चर्चाओं में है साथ ही अंदर ही अंदर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधित्व रमेश यादव भी सक्रियता से लगे हुए हैं वहीं अन्य दावेदारों की बात करें तो एडवोकेट कपिल त्यागी पूरी ताकत से टिकट मांग रहे हैं। जनपद सदस्य प्रतिनिधि पंडित प्रशांत पालीवाल ,चंद्रशेखर रघुवंशी ,राम रघुवंशी, राम मोहन पाराशर भी दावेदारी कर रहे हैं। विधानसभा चुनाव में पहली बार भाजपा की ओर से यह लोग खुलकर टिकट मांग रहा है। इनमें से कई दावेदार तो अपने अपने नेताओं के यहां चक्कर लगाकर टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। अव देखना है की टिकट का सेहरा भाजपा से किस के सर बनता है।

कांग्रेस में अभी भी गुटबाजी का खेल जारी – 2018 के चुनाव में इतने अंतर से से भाजपा से कांग्रेस को हर मिली थी इसके बाद भी कांग्रेस पार्टी में एकता नजर नहीं आ रही है। टिकट मांगने वालों की बात करें तो दो लड़की अधिक संख्या नजर आ रही है किसी एक के पक्ष में एक भी दावेदार नजर नहीं आ रहा है इसका गुब्बारा टिकट फाइनल होने के बाद सड़क पर भी दिखाई देगा जिसका फायदा हर बार की तरह इस बार भी भाजपा को मिलेगा जिसको टिकट नहीं मिलता अब अंदर ही अंदर कांग्रेस के उम्मीदवार को हराने का काम करता है जिसकी चर्चाएं हर चुनाव में होती हैं चुनाव हारने के बाद उम्मीदवार अपना चुनाव हारने का आरोप भी लगते हैं। दूसरी ओर यहां का टिकट पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के द्वारा दिया जाएगा फिर भी कई दावेदार सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी से लेकर पूर्व सीएम कमलनाथ आदि नेताओं के दरबार में पहुंचकर हाजिरी लगा रहे हैं जहां से उन्हें। दिग्विजय सिंह के पास भेजने की बात कही जा रही है। सूत्रों के मिली जानकारी के अनुसार जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि गगनेंद्र रघुवंशी, देवी सिंह बघेल, सुरेंद्र उपाध्याय, सुरेश यादव, लेखराज सिंह बघेल, अशोक यादव, अशोक त्यागी, जिनका पिछले बार विधानसभा चुनाव में पहले टिकट दे दिया बाद में इनका नाम काटकर मसरत शाहिद को उम्मीदवार बनाया था वही अन्य दावेदारों की बात करें तो रजत गौड़, राजकुमारी रघुवंशी, विनोद सेन अंसार खान, नसीम खान, सरबजीत यादव ,विनय सिंह यादव, रवि उपाध्याय ,सुरेश उपाध्याय भी दावेदारी कर रहे हैं। पर जो पैनल कांग्रेस की तरफ से सर्वे के आधार पर गया है उसमें गगनेंद्र रघुवंशी ,अशोक त्यागी और सुरेंद्र उपाध्याय का नाम बताया जा रहा है। पर कहते हैं कि कांग्रेस में जो नाम सूची में बनते हैं पर उनमें से नाम फाइनल नहीं होते क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जिसको चाहे उसको टिकट दे सकते हैं।

अवैध उत्खनन का खेल जारी, राजस्व का हो रहा है लाखों का नुकसान

सरकारी भूमियों पर कर रहे है उत्खन्न, सरकारी जमीनों को कर दिया खोखला, बना दिया तालाब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

आसपास के क्षेत्र में इन दिनों अवैध कोपरे कार्य जोरो पर है उत्खन्नकर्ता रात के अंधेरे एवं दिनदहाडे सरकारी भूमियों पर से कोपरे का उत्खन्न कर रहे है सरकारी भूमियां उत्खन्नकर्ता खोकला कर रहे है । उत्खन्नकर्ताओं को प्रषासन का डर बिल्कुल खत्म हो गया है जहां रात हुई उत्खन्नकर्ताओं ने जेसीबी मंगवाई और उत्खन्न षुरू कर दिया । एवं जो कोपरा निकला उसको दिनदहाडे नगर में विकसित हो रही कालोनियों में डाला जा रहा है एवं जहा जहां नवीन मकान निर्माण हो रहे है उसकी भराई के कार्य के लिए कोपरा डाला जा रहा है । कोपरे का कारोबार इन दिनों जमकर हो रहा है उत्खन्नकर्ताओं को प्रषासन का डर बिल्कुल ही खत्म हो गया है और सरकारी भूमियों को तालाब बना दिया है बडे बडे गड्डे उत्खन्नकर्ताओं ने कर दिये है । लेकिन स्थानीय प्रषासन को बार बार अवगत कराने के बाद भी कोई कार्यावाही देखने को नही मिल है अब देखना यह है कि सौया हुआ प्रषासन कब जागेगा और उत्खन्न कर्ताओं पर कब कार्यावाही होगी। अवैध उत्खन्न होने की वजह से प्रषासन को लाखो रूपये का नुकसान हो रहा है । बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों द्धारा इन खनन माफियों के खिलाफ कोई कार्यावाही नही की जा रही है । वही देखा जाए कि गुना आरोन रोड कांदीखेडी अन्य जगह जगह पर जमकर अवैध उत्खन्न किया जा रहा है । मगर प्रषासन के जिम्मेदार अधिकारियों द्धारा इस और ध्यान नही दिया जा रहा है । अवैध कोपरा से भरे डंपर इन दिनों अवैध कालोनियों में ज्यादा जाता हुआ दिखाई दे रहा है जिससे कोपरे व मुरम की डिमांड ज्यादा बड रही है मगर प्रषासन के जिम्मेदार अधिकारी कोई कार्यावाही करते हुए दिखाई नही दे रहे है । जहां देखा जाए कि नगर में अवैध कालोनियों का सिलसिला जारी है कालोनियों मे इन दिनों अवैध कोपरा व मूरम रोड के कार्य करने में काम आता है। यह कोपरा व मूरम दिनदाहाडे अवैध कालोनियों मे जा रहा है मगर प्रषासन के जिम्मेदार अधिकारी इस और बिल्कुल भी ध्यान नही दे रहे है जिससे अवैध उत्खन्न दिन प्रति दिन बडता ही जा रहा है । गौरतलब हो कि अगर समय जों प्रषासन को लाखों रूपये का नुकसान हो रहा है उसे बचाया जा सकता है ।

विकसित कालोनियों मे डला कोपरा की क्या होगी जांच - स्थानीय प्रषासन चाहे तों जो नगर मे विकसित कालोनियां संचालित हो रही है इनमे अधिक मात्रा में कोपरा डाला जा रहा है इन कालोनाइजर से यह पूछा जाए कि यह कोपरा कहां से खरीदा गया है इसकी रायल्टी है के नही इससे जग जाहिर हो जाएगा कि बघेर लीज कराऐ ही कोपरा बेचा जा रहा है और लाखो के राजस्व का नुकसान किया जा रहा है अगर जांच की जाए तों जो इस कार्या मे लिप्त है उनपर कार्यावाही की जा सकती है ।

इनका कहना है

अगर अवैध उत्खन्न हो रहा है तों हम इसकी जांच कराएगें बघेर लीज या रायल्टी के उत्खन्न कर बेच रहे है तों यह तों गलत है हम जांच कर कार्यावाही करेगे।

हर्षल चौधरी,
एसडीएम सिरोंज

ग्राम इमलानी में बालिकाओं का हुआ जोरदार स्वागत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

खेलो मध्य प्रदेश यूथ गेम्स राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भोपाल संभागीय टीम से खेलते हुए कांस्य पदक जीतकर लौटी ग्राम इमलानी की बालिकाएं कुमारी भूमि राठौर तमन्ना सेन साधना सेन का सिरोंज एवं ग्राम इमलानी के ग्रामीणजनों द्वारा ढोल बजा कर जोरदार स्वागत किया गया हल्का पटवारी पंकज श्रीवास्तव द्वारा तीनों बालिकाओं को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया । साथ ही राठौर समाज जिला अध्यक्ष रामकिशन राठौर ग्राम पंचायत सरपंच रामकिशन अहिरवार ग्राम पंचायत सचिव रणवीर सिंह राठौर द्वारा पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया मौके पर हाई स्कूल ग्राम इमलानी के समस्त स्टाफ एवं भारी संख्या में उपस्थित ग्रामवासी इमलानी के द्वारा बालिकाओं का हर फूल डालकर सम्मानित किया गया एव उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई साथ ही लड्डू मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई।

एसडीओपी ने यातायात प्रभारी को दिए निर्देश, शहर की ट्रैफिक व्यवस्था रहे ठीक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

एसडीओपी उमेश कुमार त्रिपाठी ने तत्काल यातायात थाना प्रभारी और पुलिस कर्मियों को मंडी बाईपास रोड और मंडी व्यवस्था के साथ शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को पूरी तरह से ठीक करने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा कि बायपास मार्ग पर ना रहते हुए शहर की व्यवस्था को ठीक करने के लिए ज्यादा समय दिया जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए किसी भी तरह की शिकायत मिलती है तो काडी कार्रवाई भी की जाएगी । सूत्रों ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस शहर में न रहकर बायपास मार्ग पर रहकर वसूल के काम में लगी रहती है इस वजह से नगर की व्यवस्था दिन व दिन बिग?ती ही जा रही है। एसडीओपी ने व्यवस्था को पूरी तरह से ठीक करने के निर्देश दिए हैं। अब देखना है कि उनके निर्देशों का कितने दिनों तक धरातल पर पालन होगा या फिर कुछ

दिनों के बाद इसी तरह के हालात फिर शहर में निर्मित होने लगेंगे और यातायात पुलिस कर्मी अपने वसूली अभियान में फिर जुट जाएंगे बाई पास पर भांग चेकिंग होने से आसपास के गांव आदि में जाने वाले वाहन चालकों को परेशानी होती है। सबसे ज्यादा वसूली दो पहिया वाहन चालकों से की जाती है। उनको रोककर चालान के नाम पर परेशान किया जाता है।

पनप रहे मच्छर, फागिंग मशीन से नहीं उड़ा रहे धुआं

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर सिरोंज में गर्मी पड़ते ही एकाएक मच्छर काफी संख्या में बड गए हैं देखा जाए कि दिनभर कचरा घरों में गंदगी पसली पड़ी रहती है सुबह नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा कचरा घरों का कचरा गंदगी उठाकर ले जाते हैं उसके बाद जो कचरा और कचरा घरों में पड़ा रहता है दिनभर गंदगी पसरी पड़ी रहती है । जानवर कचरा घरों में गांधी को सड़क पर फैलाया करते हैं। नगर पालिका द्वारा मच्छर मार दवा आदि का छिड़काव नही कराया जा रहा है जिससे दिन प्रतिदिनसी मच्छरों की संख्या में काफी इजाफा हो रहा है। वही देखा जाए की नालियां भी कीचड़ से लबा लब भरी हुई है देखा जाए की वार्ड क्र. 7 एवं 6 में नालियों में से दिन भर बदबू उत्पन्न होती रहती है सफाई कर्मचारी नालियों में ऊपरी पानियों को हटाकर साफ सफाई कर चले जाते हैं अंदर भारी नालियों की गंदगी की सफाई नहीं करते हैं। वही नगर पालिका में फॉगिंग मशीन भी है।

मेट्रो एंकर | नगर पालिका में निराश होकर वापस लौट रहे हितग्राही

कई घंटों से महिलाएं खड़ी रही इंतजार में, कर्मचारी फोन पर करते रहे बात

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका में कर्मचारी अपनी मनमानी से तरीके से हितग्राहियों का काम कर रहे हैं महिला और कर्मचारियों के बीच बहस हो गई दरअसल मामला यह है कि उज्वला योजना के फॉर्म भरने आई महिलाओं को कई घंटे लग गए खड़े खड़े हो लेकिन पहले बिचौलियों के काम कर्मचारी कर रहे थे जिनको पुरुष बिचौलिया बाकायदा सीट पर बिठला था और महिलाएं लाइन में खड़ी थी वही कई कई घंटे खड़ी रहती है महिलाएं बिचौलियों ,कहने पर करते हैं काम नगर पालिका बनी दलालों का अड्डा बिचौलियों के माध्यम से कर्मचारी दे रहे हैं योजना का लाभ नगर पालिका में बेलगाम कर्मचारी आचार संहिता लागू होने से पहले ही हितग्राहियों में लाभ लेने के लिए विभागों महिलाओं की भीड़ देखी जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा उज्जवला एवं लाडली बहना योजना पंजीकृत महिलाओं को 450 रुपए गैस रिफिल हेतु राज्य अनुदान राशि का अंतरण सिंगल क्लिक के माध्यम सेष् का सीधा प्रसारण कर आयोजित किया गया। नगर पालिका में योजना का लाभ लेने के लिए महिलाओं की सुबह से ही भीड़ जमा हो जाती है लेकिन कर्मचारियों की मनमानी के चलते कई घंटे तक महिलाओं को इंतजार करना पड़ता है भीड़ इतनी रहती है कि एक महिला को अपने बारी आने में कई समय लग जाता है वही नगर पालिका सेवा दे रहे कर्मचारी अपनी मनमर्जी तरीके से काम कर रहे हैं वही इस योजना का लाभ लेने महिलाएं, नन्हे मुन्ने बच्चों को गोद में लेकर कतर में कई घंटे तक खड़ी रहती इस अपनी बारी के इंतजार मैं है नगर पालिका में कर्मचारी बिचौलियों को सीट पर बिठाकर उनके काम पहले कर रहे हैं।

कई महिलाएं इस बात से नाराज कर्मचारी और महिलाओं के बीच बहस हो गई कई बार कर्मचारी काम छोड़कर चले गए कुछ देर बाद फिर काम चालू कर दिया जिससे महिलाओं की फजीहत हो रही है शुक्रवार को 11 बजे से तो काम शुरू हुआ और बीच में कई कई मिनट के लिए बंद कर दिया महिलाओं

ने विरोध किया तो कर्मचारियों ने की अभद्र व्यवहार किया महिलाओं के साथ वहीं दोपहर के समय जब महिलाओं की भीड़ ज्यादा दिखाई तो कुछ कर्मचारियों को और लगाया गया लेकिन कुछ देर बाद काम बंद कर दिया गया जिससे महिला होने जमकर हंगामा किया इस बात की भनक सीएमओ जवंत र्मा को लगी तो तत्काल उन्होंने राजस्व शाखा में कार्य रहे कर्मचारी नसीम को जिम्मेदारी दी जिसके बाद उन महिलाओं को पंजीयन हो पाया वही हेमंत शर्मा जो पहले से कम कर रहे थे वह अपनी सीट से गायब थे सीएमओ ने बताया कि वह किसी काम से चले गए हैं हमने दूसरी व्यवस्था कर दिए।

हितग्राही विमला बाई ने बताया कि दो-तीन दिन से इस योजना का लाभ लेने के लिए मैं नगर पालिका में चक्कर लगा रही हूं लेकिन मौके पर नहीं मिलते और मैं कई घंटे इंतजार कर वापस चली जाती हूं मुझे यह कह दिया जाता है आप, वार्ड में जो वहां काम होगा लेकिन वहां पर भी कोई नहीं मिलता।

एशियन गेम्स 2023 में कुल 107 मेडल जीते, भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर ने क्लोजिंग सेरेमनी में भारत का किया नेतृत्व

चीन में भारतीयों ने लहराया परचम, अगला एशियन गेम्स 2026 में जापान के नागोया शहर में होगा

नईदिल्ली, एजेंसी

एशियाड की क्लोजिंग सेरेमनी हांगझोऊ ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में हो चुकी है। चीन के हांगझोऊ शहर में हुए एशियन गेम्स में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। 19वें एशियन गेम्स में भारत ने 107 मेडल के साथ अपना अभियान खत्म किया। भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने क्लोजिंग सेरेमनी में भारत का नेतृत्व किया। एशियन गेम्स 2026 जापान के नागोया शहर में आयोजित होगा। 19वां एशियन गेम्स 23 सितंबर से चीन के हांगझोऊ शहर में खेला गया था। 19वें एशियाड में भारत का ऑलटाइम बेस्ट परफॉर्मेंस एशियाड खेलने गए भारत के 653 प्लेयर्स ने 107 मेडल जीते। इनमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज शामिल रहे। 72 साल के एशियन गेम्स इतिहास में भारत का यह बेस्ट प्रदर्शन भी रहा। देश को 2018 के पिछले एशियाड में 70 मेडल मिले थे, इस बार खिलाड़ियों ने 37 और मेडल जीतकर अपना रिकॉर्ड बेहतर किया। भारत ने 37 साल बाद मेडल टैली के टॉप-5 पोजिशन में भी फिनिश किया और चीन, जापान, साउथ कोरिया के बाद चौथे स्थान पर रहा।

■ 46 मेडल महिला खिलाड़ियों ने दिलाए

पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग के खिलाड़ियों ने भारत की ऐतिहासिक सक्सेस में बराबर रोल निभाया। 107 में से 43 फीसदी यानी कुल 46 मेडल महिला खिलाड़ियों ने दिलाए। 48 फीसदी मेडल (52) पुरुष खिलाड़ियों ने वहीं, 9 मेडल मिक्स्ड इवेंट में भी मिले। यानी महिला और पुरुष दोनों ही वर्ग में खिलाड़ियों ने बराबर ग्रोथ कर देश को सफलता दिलाई। आर्चरी, एथलेटिक्स, क्रिकेट, कबड्डी, शूटिंग और स्क्वॉश के महिला इवेंट्स में भारत ने तेजी से ग्रोथ किया और गोल्ड मेडल जीते। पुरुष खिलाड़ियों ने भी इन खेलों के अलावा बैडमिंटन, हॉकी और घुड़सवारी में भी भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल दिलाए।

■ शूटिंग व एथलेटिक्स में मिले मेडल

शूटर्स ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और देश के लिए सबसे ज्यादा 7 गोल्ड मेडल जीते। वे शूटिंग की मेडल टैली में केवल चीन के बाद दूसरे नंबर पर रहे। शूटर्स ने 2006 के दोहा एशियाड में किए अपने प्रदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ा, तब उन्होंने 3 गोल्ड, 5 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज जीते थे। इस बार शूटर्स ने 9 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज भी जीते। हर बार की तरह एथलेटिक्स में सबसे ज्यादा मेडल मिले। एथलीट्स ने 6 गोल्ड, 14 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल दिलाए। आर्चरी तीसरा बेस्ट स्पोर्ट रहा, इस इवेंट में देश को 5 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ही ब्रॉन्ज मेडल मिले।

■ 68 साल बाद टूटा था गोल्ड मेडल का रिकॉर्ड, इसे 5 साल में ही सुधार लिया

1951 के दौरान नई दिल्ली में पहली बार एशियाड हुए थे, तब हमने 15 गोल्ड जीतकर मेडल टैली में सेकेंड रैंक हासिल की थी। 15 गोल्ड के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए देश को 68 साल का समय लग गया, जब 2018 में हमने 16 गोल्ड मेडल जीते। लेकिन अब 5 साल में ही इस रिकॉर्ड खिलाड़ियों ने सुधार कर 28 गोल्ड मेडल तक पहुंचा दिया। 100 मेडल का टारगेट था, 107 जीत लिए एशियन गेम्स शुरू होने से पहले इंडियन ओलिपिंक एसोसिएशन ने 100 मेडल जीतने का टारगेट रखा था। पीटी उषा ने प्लेयर्स को इंस्पायर करने के लिए इस बार सौ पार का नारा दिया था। एशियाड खेलने गए भारत के 653 प्लेयर्स ने 100 मेडल जीतने के सपने को साकार किया और पूरे 107 मेडल देश को दिलाए। 72 साल के एशियन गेम्स इतिहास में भारत का यह बेस्ट प्रदर्शन भी रहा। देश को 2018 के पिछले एशियाड में 70 मेडल मिले थे, इस बार खिलाड़ियों ने 37 और मेडल जीतकर अपना रिकॉर्ड बेहतर किया।

हार-जीत फैक्टर्स: ओपनर बेट्समेन जीरो पर आउट, कोहली-राहुल की पार्टनरशिप ने बदला मैच का रुख

मुकाबला तो जीता, लेकिन आगे मजबूती से बढ़ाना होगा

चेन्नई, एजेंसी

भारत ने वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। टीम इंडिया ने अपने पहले लीग मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया, लेकिन इस सबके बीच कुछ कठिनाइयां भी सामने आई, जैसे बिना रन बनाए हमारे तीन खिलाड़ी जीरो पर आउट हो चुके थे, इसके बाद आए विराट कोहली ने पारी को संभाला। इससे साफ जाहिर है कि मैच तो जीत लिया लेकिन कमजोरी भी जग जाहिर हो चली है, ओपर ही जब बिना कोई रन बनाए आउट हो जाएंगे तो बाद में आने वाले खिलाड़ी पर इसका दबाब तो पड़ेगा इसलिए हमे और मजबूती से आगे चलकर खेलना होगा।

दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई टीम 49.3 ओवर में 199 रन पर ऑलआउट हो गई। 200 का टारगेट चेज करने उतरी भारतीय पारी की शुरुआत खराब रही। 2 रन पर टीम के 3 बैटर बिना खाता खेले पवेलियन लौटे चुके थे।

ये रहा टर्निंग पॉइंट

भारत को मिली खराब शुरुआत के बाद विराट कोहली भी दबाव में थे और केएल राहुल के साथ पारी संभालने का प्रयास कर रहे थे। तभी 8वें ओवर की तीसरी बॉल जोश हेजलवुड ने उन्हें बाउंसर डाली। कोहली ने इस पर पुल किया, लेकिन बॉल स्क्वेयर लेग के ऊपर हवा में खड़ी हो गई। मिड-विकेट पोजिशन से मिचेल मार्श दौड़ते हुए आए, वे गेंद के नीचे पहुंच गए, लेकिन कैच नहीं पकड़ सके। विकेटकीपर एलेक्स कैरी के साथ हुए कनफ्यूजन में मार्श से यह कैच छूटा। यही मैच का टर्निंग पॉइंट रहा, क्योंकि जब यह कैच ड्रॉप हुआ। बाद में कोहली ने 85 रनों की पारी खेली और विकेटकीपर केएल राहुल के साथ चौथे विकेट के लिए 165 रन की पार्टनरशिप की।

एनालिसिस- मिडिल ओवर्स में बिखरी बैटिंग

मैच के पावरप्ले कॉन्टेस्ट में कंगारू टीम मेजबानों से बेहतर रही। शुरुआती 10 ओवर में ऑस्ट्रेलियाई बैटर्स ने 43 रन बनाए और एक विकेट गिरा, जबकि भारतीय बैटर 3 विकेट पर महज 27 रन जोड़ सके। 11 से 20 ओवर के कॉन्टेस्ट में भी भारत ने वापसी की। इस दरमियन भारतीय टीम ने 53 रन बनाए और कोई विकेट नहीं गंवाया, वहीं मेहमान टीम ने 42 रन पर एक विकेट गंवाया। 21 से 30 ओवर के गेंम में ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट पर 34, जबकि भारत ने बिना नुकसान के 40 रन बनाए। 31 से 40 ओवर्स के बीच में ऑस्ट्रेलिया ने 37 रन पर दो, जबकि टीम इंडिया ने 62 रन बनाकर एक विकेट गंवाया। आखिरी के 9.3 ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 3 विकेट खोकर 43 रन बनाए, वहीं भारत ने 7 बॉल में 19 रन स्कोर किए।

12 अक्टूबर को लखनऊ में साउथ अफ्रीका का ऑस्ट्रेलिया से सामना

लखनऊ, एजेंसी

विश्वकप के 48 साल के इतिहास में पहली बार लखनऊ के दर्शक अपने शहर में मैच देखने को आनंद उठा सकेंगे। इकाना में 12 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे वर्ल्ड कप मैच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला साउथ अफ्रीका से होगा। साउथ अफ्रीका की टीम रविवार दोपहर लखनऊ पहुंची। ऑस्ट्रेलिया की टीम 9 अक्टूबर को राजधानी पहुंचेगी।

विश्वकप के इतिहास में सर्वाधिक 428 रन बनाने और श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करने के बाद अफ्रीका की टीम का जोश हाई है। अब यह देखना होगा कि इकाना में भी दिल्ली की तरह रन बरसते हैं या खिलाड़ी पहले की तरह रन के लिए संघर्ष करते नजर आएंगे। इकाना स्टेडियम में इस बार 5 मैच खेले जाएंगे। इसमें इंडिया के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका, अफ्रीका और नीदरलैंड जैसी टीम अपना मैच खेलेगी।

चौथी बार भारत में खेला जा रहा विश्वकप

भारत में चौथी बार विश्वकप का आयोजन हो रहा है। इससे पहले 1987, 1996 और 2011 में वर्ल्डकप का आयोजन हो चुका है। 2011 में भारत ने श्रीलंका को हराकर वर्ल्डकप जीता है। इस बार भी भारत को वर्ल्ड कप का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। लखनऊ में इस बार बड़े स्कोर की उम्मीद की जा रही है। दरअसल, इस दौरान यहां कई मैच काफी लो स्कोरिंग रहे थे।

दिल्ली में रन बरसे, लेकिन लखनऊ में तरसे

दरअसल, इकाना स्टेडियम की पिच ऐसी है कि जहां सीमित ओवर के मैच में कम रन बनते हैं, पिच को लेकर सवाल भी खड़े हुए हैं इसीलिए जिस साउथ अफ्रीकन टीम ने दिल्ली में वर्ल्ड कप में एक नया रिकॉर्ड बना दिया एक इनिंग में तीन बैट्समैन ने शतक मार दिए उस टीम को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में रन बनाने के लिए तरसना ना पड़ जाए, इसे लेकर भी चर्चा हो रही है। इकाना मौजूदा समय में दुनिया के सबसे आधुनिक स्टेडियम में शामिल है। यहां तक की अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम से भी कुछ मामले में यहां सुविधाएं बेहतर हैं। खासकर यहां का ड्रेनेज सिस्टम। मैच से पहले बारिश होती है और एक घंटे पहले बारिश रुक जाती है तो भी यहां पूरे 50 ओवर का मैच कराया जा सकता है।

मेट्रो बाजार

अबू धाबी की अथॉरिटी रिलायंस कंपनी में करेगी इन्वेस्टमेंट

मुंबई, एजेंसी

अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की रिटेल आर्म रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में 4,967 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट करेगी। इन्वेस्टमेंट के बाद आरआरएल में हिस्सेदारी 0.59 फीसदी बढ़कर 1.2 फीसदी से 1.79 फीसदी हो जाएगी। 8.38 लाख करोड़ रुपए के वैल्यूएशन पर यह निवेश किया है। वैल्यूएशन के हिसाब से देश की टॉप चार कंपनियों में शामिल हो जाएगी। पिछले महीने रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि रिलायंस संभावित स्टॉक मार्केट लिस्टिंग से पहले लगभग 2.5 बिलियन डॉलर यानी 20,780 करोड़ रुपए जुटाने के लिए ग्लोबल इन्वेस्टर्स के साथ बातचीत कर रहा है। दुनिया की 53वीं सबसे बड़ी रिटेल कंपनी है। कंपनी रिलायंस फ्रेश, स्मार्ट सुपरस्टोर, स्मार्ट बाजार, स्मार्ट प्वाइंट, फ्रेशपिक, 7-इलेवन, रिलायंस ज्वेल, रिलायंस डिजिटल के नाम से स्टोर चलाती है। इसके अलावा कंपनी फैशन और लाइफस्टाइल में बहुत ज्यादा एक्टिव है। कंपनी रिलायंस रिटेल ट्रेंड्स, ट्रेंड्स वुमन, ट्रेंड्स मैन, ट्रेंड्स फुटवियर, अवंत्रा बाय ट्रेंड्स, सेंट्रो, हैमलीज, गैप अरमानी, बरबेरी, डीजल जैसे बड़े ब्रांड्स के साथ कारोबार करती है।

रिलायंस रिटेल के देश के 7000 से ज्यादा शहरों में टोटल 18,000 से ज्यादा स्टोर हैं। इसके अलावा अजियो के जरिए रिलायंस रिटेल की ई-कॉमर्स में भी अच्छी पकड़ है। रिलायंस रिटेल ने फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में 2,60,364 करोड़ रुपए का कारोबार किया है।

फेस्टिव सेल: कम कीमत में मिल रहा आईफोन-12

नई दिल्ली, एजेंसी। ई कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट की द बिग बिलियन और अमेजन की ग्रेट इंडियन फेस्टिवल सेल सेल शुरू हो गई है। एक दिन पहले ये सेल केवल प्लस और प्राइम मेंबर्स के लिए थी। इसमें 90त्न तक डिस्काउंट का दावा किया जा रहा है। द बिग बिलियन डेज सेल में फ्लिपकार्ट सभी प्रोडक्ट पर एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने पर 10त्न का ऐक्स्ट्रा डिस्काउंट दे रही है। वहीं, अमेजन अपनी सेल में क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर 10त्न का ऐक्स्ट्रा डिस्काउंट ऑफर कर रहा है।

फ्लिपकार्ट पर आईफोन-12 39,999, आईफोन-13 51,999 और आईफोन-14 64,999 में मिल रही है। सभी आईफोन की कीमतें शुरुआती वैरिएंट की हैं। अलग-अलग वैरिएंट में अलग-अलग डिस्काउंट मिल रहा है। वहीं, हाल ही में लॉन्च हुए आईफोन 15 सीरीज में अमेजन-फ्लिपकार्ट कोई खास डिस्काउंट नहीं दे रहे हैं। डिस्काउंट के गणित को समझने से पहले यह समझना होगा कि फ्लिपकार्ट और अमेजन काम कैसे करते हैं? ये कंपनियां वेंडर्स को अपनी वेबसाइट के जरिए सामान बेचने के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराती हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

पैपराजी से फिर एक बार चिढ़ी एक्ट्रेस तापसी पन्नू

तापसी पन्नू केलकर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुईं। वे देर रात मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट हुईं। डिनर के बाद जब तापसी रेस्टोरेंट से निकलीं तो उन्होंने देखा कि पैपराजी उनकी कार को घेरे खड़े हुए थे। ये देखकर तापसी भड़क गईं और उन्होंने पैपराजी को ताना मारते हुए कार से दूर हटने की रिक्वेस्ट की। इस इंसीडेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

बार-बार एक ही बात बोलती दिखीं तापसी

वीडियो में तापसी चिढ़ते हुए बार-बार एक ही बात बोलकर पैपराजी से उनकी कार के सामने से हटने की रिक्वेस्ट कर रही हैं। वो कह रही हैं, 'प्लीज हट जाइए, प्लीज हट जाइए नहीं तो बोलेंगे कि धक्का लग गया। प्लीज हट जाइए, प्लीज हट जाइए, आराम से बोल रहे हैं नहीं तो बोलेंगे धक्का लग गया।

पैपराजी बोले- आप बहुत अच्छी हो

इसके बाद जब पैपराजी उनकी कार के सामने से हट गए तो तापसी ने उन्हें थैंक्स कहा। जैसे ही वो कार में बैठीं तो एक पैपराजी ने कहा, 'थैंक्यू, बाय तापसी जी.. आप बहुत अच्छे हो..' शरद केलकर की बर्थडे पार्टी में तापसी ब्लैक टॉप और येलो स्कर्ट में नजर आईं। उन्होंने एक बैग भी कैरी किया था। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब तापसी की पैपराजी से बहस हुई है। उनका इससे पहले भी कई बार फोटोग्राफर्स के साथ पंगा हो चुका है।

इवेंट में लेट पहुंचने पर हुई थी बहस

पिछले साल फिल्म 'दोबारा' के प्रमोशन के दौरान तापसी एक इवेंट में लेट पहुंची थीं तब उनकी पैपराजी से बहस हो गई थी। जब पैपराजी ने उनसे कहा कि हम आपका काफी देर से वेट कर रहे हैं तो तापसी ने कहा कि आप मुझे क्यों डांट रहे हो। मुझे जो टाइम दिया गया है, मैं उस टाइम पर आ रही हूं।

तमिल फिल्म 'अयालान' में दिखेंगे शरद केलकर

शरद केलकर ने 'के सेरा सेरा' रेस्टोरेंट में अपना बर्थडे मनाया। ये रेस्टोरेंट मुंबई के अंधेरी लोखंडवाला में स्थित है। शरद ब्लैक टी-शर्ट और ब्लू जींस पहने नजर आए। वाइफ कीर्ति ग्रीन ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिख रही थीं। पैपराजी से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, लाइफ में एक साल का एक्सपीरियंस बढ़ गया। कोशिश करूंगा और भी अच्छा काम करूं। शरद ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। संक्रांति के मौके पर उनकी तमिल डेब्यू फिल्म **अयालान** रिलीज होगी। लीजेंड ऑफ हनुमान- सीजन 3 में शरद की आवाज सुनने को मिलेगी। उन्होंने पैपराजी के साथ केक भी कट किया।

आयुष्मान 'कभी हां-कभी न' जैसी फिल्मों में काम करना चाहते हैं

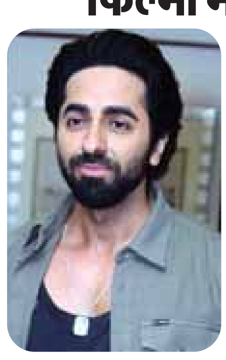

आयुष्मान अपने ड्रीम रोल के बारे में बताते हैं कि, मुझे फिल्म कभी हां-कभी न बहुत पसंद है। अगर इस फिल्म की रीमेक बनती तो, मैं उसमें जरूर काम करना चाहता। मुझे लव-स्टोरी वाली फिल्में करने का बहुत मन है। अनन्या को अपने पापा के अंदर सबसे अच्छी बात ये लगती है कि उनके अंदर अपने ऊपर हंसने की काबलियत है। आयुष्मान खुराना ने रैपिड फायर राउंड में कहा कि मुझे पानी से डर लगता है। मैं एक बार बचपन में डूब गया था। वहीं अनन्या ने कहा कि मेरा ड्रीम मैन मेरे डैड जैसा होना चाहिए। अनन्या पांडे को आयुष्मान की सबसे अच्छी बात उनकी ईमानदारी लगती है। वहीं सबसे खराब बात ये लगती है कि वो अपना खाना किसी से शेयर नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे इनकी ये आदत बिल्कुल पसंद नहीं है। सेट पर भी ये अपना खाना किसी से शेयर नहीं करते थे। आयुष्मान करण जौहर, जोया अख्तर और राजू हिरानी की फिल्मों में काम करना चाहते हैं।

झूमाझटकी और मारपीट में वर्दी फटी, शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज

आनंद नगर पुलिस चौकी के सामने हेड कांस्टेबल से मारपीट करने वाले सगे भाई गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में बदमाशों का हौसला इतना बुलंद है कि वह पुलिसकर्मियों पर भी हमला करने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसा ही एक मामला आनंद नगर पुलिस चौकी के सामने आया। यहां दो सगे भाइयों ने मिलकर हेड कांस्टेबल से झूमाझटकी करते हुए मारपीट कर दी। घटना शुक्रवार रात पौने आठ बजे के आसपास की बताई जा रही है। सरेराह हेड कांस्टेबल के साथ लात घूंसों से मारपीट होने पर कुछ ही दूर मौजूद चार्ली के पुलिसकर्मियों ने आरोपियों से उन्हें बचाया और दोनों को चौकी में बिठा लिया। पिपलानी पुलिस दोनों आरोपियों पर मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार लिया है।

पुलिस के अनुसार हेड कांस्टेबल अखिलेश शर्मा आनंद नगर चौकी में पदस्थ हैं। प्रतिदिन चौकी के बाहर जाम की स्थिति बनने के कारण वे चौकी के सामने ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रहे थे, जबकि सड़क की दूसरी ओर चार्ली की टीम लगी हुई थी और वह भी ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रही थी। इसी बीच एक बाइक पर आए दो युवकों की बाइक एक अन्य बाइक से टकरा गई। मामूली सी टक्कर होने के बाद बाइक सवार युवक दूसरी बाइक पर बैठे युवक से विवाद करने लगे। विवाद बढ़ने पर जाम और बढ़ने लगा। लिहाजा ट्रैफिक अखिलेश शर्मा ने उन्हें बाइक हटाने का कहा।

बाइक हटाने की बात कहते ही आरोपी भड़क गए और अखिलेश शर्मा से कॉलर पकड़कर झूमाझटकी करते हाथापाई करने लगे। झूमाझटकी और मारपीट में अखिलेश शर्मा की शर्ट की बटन टूट गई। इसी दौरान सड़क की दूसरी तरफ कुछ दूरी पर खड़े चार्ली के जवानों की नजर पड़ी तो वे दौड़कर पहुंचे और आरोपियों को पकड़कर चौकी में ले गए। इसके बाद आरोपियों को पिपलानी थाने पहुंचाया गया और उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपियों की पहचान राजन सिंह उर्फ गोलू राजूपत और शुभम सिंह राजपूत निवासी अर्जुन नगर पिपलानी के रूप में की गई। दोनों सगे भाई हैं।

क्राइम ब्रांच की टीम ने कुख्यात बदमाश, जुबेर मौलाना को किया गिरफ्तार

भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच ने कुख्यात बदमाश जुबेर मौलाना को गिरफ्तार किया है। उसके पास से कटटा और कारतूस भी मिला है। क्राइम ब्रांच आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज कर पूछताछ कर रही है। उल्लेखनीय है कि कुख्यात बदमाश जुबेर मौलाना के गुर्गों ने करीब 1 महीने पूर्व एमपी नगर के एक कबाड़ी पर फायरिंग की थी। इस फायरिंग में कबाड़ी ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था की फायरिंग जुबेर मौलाना के गुर्गों ने की थी। इसके बाद से ही पुलिस को जावेद मौलाना की तलाश थी। लगातार फरार रहने के कारण आलाधिकारियों ने कुख्यात बदमाश पर 5 हजार का इनाम भी घोषित किया था। आरोपी जुबेर मौलाना की गिरफ्तारी के लिए थाना पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच की टीम लगाई गई थी। क्राइम ब्रांच की टीम ने मुकबिर की सूचना पर जुबेर मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक कट्टा और कारतूस भी मिला है।

प्रदर्शन

भोपाल। बोर्ड आफिस पर तकनीकी शिक्षक संघ ने अपनी मांगों को लेकर रैली निकाल कर प्रदर्शन किया।

दो बच्चों की मां का दैहिक शोषण, सहकर्मी पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में दो बच्चों की मां ने सहकर्मी पर दुष्कर्म और दैहिक शोषण के आरोप लगाए है। पीड़िता का आरोप है?कि गत तीन चार वर्षो से आरोपी उसका दैहिक शोषण कर रहा है और उसे प्रताड़ित कर रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 39 साल की महिला शादीशुदा है और दो बच्चों की मां है। उसका पति से विवाद चल रहा है। पति पत्नी का कोर्ट में मामला विचाराधीन है। महिला एक बिल्डर के पास काम करती है और अपना और बच्चों का गुजारा करती है। बिल्डर के घर काम करने वाले राहुल पाटनकर से उसकी वर्ष 2018 में पहचान हो गई?थी। राहुल उसके घर आने जाने लगा?था। इसी बीच उसने महिला को शादी का झांसा दिया और उससे शारीरिक संबंध बनाने शुरू कर दिए। कुछ दिन तक सब ठीक चला कि राहुल उसे ब्लैकमेल करने लगा और निजी पलों की फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसों की मांग करने लगा। आरोपी की प्रताड़ना से परेशान होकर महिला ने थाने पहुंचकर उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई?थी। पुलिस ने शिकायत दर्ज आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

बदमाश के गुर्गे की बर्ड डे पार्टी में तलवारें लहराई

भोपाल। राजधानी भोपाल में बदमाश बेखौफ हो चुके हैं। अपराधी नफीस उर्फ अदालत के गुर्गे की बर्थ डे पार्टी में गुंडे खुलेआम तलवारे लहराते नजर आए। नफीस भी डीजे की धुन पर नाचता हुआ, युवकों को केक खिला रहा है। बेक ग्राउंड में बदमाशी का टैग गाने पर बदमाश झूमते गाते दिख रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की बात कह रही है।

वायरल वीडियो दुर्गा नगर झुग्गी बस्ती का बताया जा रहा है। वीडियो में पीछे दिख रही दीवार आरबीआई की मुख्य ब्रांच मैदामील की बताई जा रही है। बता दें कि पिछले महीने नफीस पर बदमाश जुबैर मौलाना और उसके गुर्गों ने फायर कर दिए थे।

रेलवे ट्रेक पर क्षत-विक्षप्त मिला शव, फैली सनसनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित बावड़िया फाटक के पास रेलवे ट्रैक पर बीती रात एक युवक का क्षत विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के पास मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त कोलार में रहने वाले ड्राइवर के रूप में कर ली गई। पुलिस को तलाशी में मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई कि उसने आत्महत्या की है। हालांकि आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस का कहना है?कि मृतक पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। पत्नी अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है।

एएसआई एसएन साहू ने बताया कि पवन उर्फ कुंवर सिंह (35) बंजारी कोलार में रहता था और ड्राइवरी करता?था। कल दोपहर तीन बजे वह घर से निकला?था। इसके बाद घर नहीं लौटा। उसकी लाश शाहपुरा पुलिस ने बावड़िया ब्रिज रेलवे ट्रैक से रात करीब दस बजे के आसपास बरामद की थी। मृतक की तलाश लेने पर उसके पास से आधार कार्ड मिला?था, जिसमें कोलार कॉलोनी, चूनाभट्टी का पता मिला। पुलिस का कहना है कि फिलहाल पवन बंजारी में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रह रहा था। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। फास्ट ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या करने से उसके शरीर के टुकड़े टुकड़े हो गए थे।

ट्रेन से कटकर दी जान, रेलवे ट्रैक पर मिला धड़, गर्दन हो चुकी थी अलग

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने सलैया अंडर ब्रिज और मिसरोद रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रै से एक युवक का शव बरामद किया है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक का धड़ बीच रेलवे ट्रैक पर मिलने और गर्दन अलग होने से अनुमान है कि वह आत्महत्या करने के इरादे से रेलवे ट्रैक पर लेटा होगा। पुलिस ने मृतक का हुलिया आसपास के थानों और मिसरोद के क्षेत्रों में भेज दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है।

प्रधान आरक्षक अशोक तोमर ने बताया कि स्टेशन मास्टर केके दुबे ने सूचना दी थी कि सलैया अंडर ब्रिज और मिसरोद रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे ट्रैक पर किसी युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया। मृतक की तलाशी ली गई, लेकिन उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतक की उम्र करीब चालीस साल के आसपास बताई जा रही है।

ज्योतिष परामर्श

ज्योतिष शास्त्र में जन्मकुंडली किसी व्यक्ति के जीवन के सटीक आंकलन का दस्तावेज है। जीवन में सितारों और ग्रहों की चाल के विश्लेषण के माध्यम से करियर, शिक्षा, प्रेम, जीवन के बारे में सटीक अनुमान जानने व सही निर्णय लेने में सक्षमता के लिए संपर्क करें

श्रुति रावत ज्योतिषाचार्य व कुंडली विशेषज्ञ

व्हाट्सएप नं. 7869267010

कॉलिंग नंबर 7415497010

shrutirawat16@gmail.com

परामर्श का समय : दोपहर 3 से 5 बजे तक, शुल्क : 501 रुपए

शराब तस्कर से 63 लीटर शराब जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गुनगा पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 63 लीटर अवैध शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब की तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली उसकी बाइक भी जब्त की। पुलिस आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर शराब के बारे में पूछताछ कर रही है। गुनगा थाना प्रभारी अरूण शर्मा ने बताया कि मुखबिर की सूचना मिली?थी कि ग्राम धमर्रा पुलिया के पास से एक शराब तस्कर पहुंचने वाला है। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की तभी एक संदिग्ध बाइक से आता हुआ नजर आया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से सात पेटी शराब मिली। आरोपी की पहचान केशव कुशवाह पिता कमल सिंह कुशवाह (27) ग्राम धमर्रा के रूप में की गई।?पुलिस आरोपी से शराब जब्त कर उसके खिलाफ आबकारी एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर रही है।

मेट्रो एंकर यात्रियों को सफर में सुविधा, रेलवे ने शेड्यूल किया जारी

8 घंटे का सफर तय कर इंदौर-भोपाल वंदे भारत अब नागपुर भी जाएगी

भोपाल/इंदौर। इंदौर से भोपाल के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस अब नागपुर तक भी चलेगी। आज यह ट्रेन इंदौर से सुबह 6.30 बजे रवाना हुई। कल से यह रोज सुबह 6.10 बजे रवाना होकर दोपहर 2.30 बजे नागपुर पहुंचेगी।

वंदे भारत ट्रेन को इटारसी में भी स्टॉपेज दिया गया है। ट्रेन को दोनों ओर से प्रत्येक स्टेशन पर 5 मिनट का स्टॉपेज दिया जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी इंदौर में घोषणा की थी। भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद पश्चिम रेलवे ने ट्रेन का नया टाइम टेबल जारी कर दिया।

ये है वंदे भारत का नया टाइम

ट्रेन इंदौर से सुबह 6.10 बजे रवाना होगी। सुबह 7 बजे उज्जैन पहुंचेगी। सुबह 9.15 बजे भोपाल, सुबह 10.45 बजे इटारसी, दोपहर 2.30 बजे नागपुर पहुंचेगी।

यह तय किया वापसी का शेड्यूल

नागपुर से दोपहर 3.20 बजे रवाना होगी। शाम 7 बजे इटारसी, रात 8.40 बजे भोपाल, रात 10.50 बजे उज्जैन में स्टॉपेज और रात 11.45 बजे इंदौर पहुंचेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022